www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
27 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 34 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

शरबत नहीं चंडीगढ़ में चल रहा था शराब का 'भंडारा'

वीडियो वायरल होने पर मचा बवाल,आरोपीगण गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर हर दिन हजारों-लाखों वीडियो शेयर होते हैं। कुछ वीडियो तो देखते ही देखते लोगों के बीच गदर काट देते हैं। इनमें कुछ मामले काफी चौंकाने वाले होते हैं। जबकि, कुछ मामले तो सोच से परे होते हैं। इन दिनों एक ऐसा ही वीडियो लोगों के बीच गदर काट रहा है, जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान रह गया। क्योंकि, इस वीडियो में शराब का 'भंडारा' चलते हुए दिखाई दे रहा है। सुनकर भले ही आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन जब वीडियो देखें तो जरूर हक्के-बक्के रह जाएंगे।

बताया जा रहा है कि यह चौंकाने वाला मामला चंडीगढ़ के सेक्टर-9 मार्केट का मामला है। आमतौर पर गर्मी में आप लोगों को शरबत, ठंडा

पानी बांटते हुए देखते होंगे। लेकिन, यहां तो सरेआम लोगों को शराब बांटी जा रही थी। दरअसल, एक नई शराब ब्रांड के प्रमोशन के लिए खुले में लोगों को फ्री में शराब दी जा रही थी। बताया जा रहा है कि बर्फ के गोले पर शराब डालकर लोगों में बांटा जा रहा था। हैरानी की बात ये है कि इसके लिए भी लोगों की लाइन लगी हुई थी। किसी ने इस पूरे मामले को कैमरे में कैद कर लिया और वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

वीडियो वायरल होने पर आरोपी गिरफ्तार

वीडियो देखकर आप भी जरूर चौंक गए होंगे। वीडियो वायरल होने के बाद के के मालिक पर एफआईआर दर्ज की गई और बाद में उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया। लेकिन, इस मामले ने लोगों के बीच हड़कंप मचा दिया। काफी लोगों ने इसकी आलोचना भी की है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम शुभेंदु बोले

बांग्लादेशियों जल्दी-जल्दी भागो यहां से

- घुसपैठियों को जेल नहीं भेजेंगे, उन्हें भगाएंगे, दामाद नहीं हैं, चेक पोस्ट पर जुटने लगे बांग्लादेशी

कोलकाता/ मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को बांग्लादेशियों को देश छोड़कर जाने को कहा। वे बोले– राज्य में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें पुलिस को सौंपा जाए, जिसके बाद बीएसएफ उनकी वापसी में मदद करेगा।

उन्होंने कहा– जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना एक्शन लेंगे। हम घुसपैठियों को जेल भेजकर रोटी नहीं खिलाएंगे। वह दामाद नहीं है। उन्हें भगाया जाएगा। उनके (बांग्लादेश के) ऑफिशियल्स भी कह चुके हैं कि जो हमारे लोग होंगे, उन्हें ले लेंगे। इधर, पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में मंगलवार सुबह से ही 100 से ज्यादा विदेशी नागरिक हाकिमपुर चेक पोस्ट पर इकट्ठा हुए हैं। दावा है कि यह लोग पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में अवैध तरीके से रह रहे थे और अब बांग्लादेश लौटने के लिए बॉर्डर पर पहुंच रहे हैं।

राज्य का मुर्शिदाबाद ऐसा पहला जिला बन गया है, जहां 3 बांग्लादेशी नागरिकों को होल्डिंग सेंटर भेजा गया है। तीनों को अवैध तरीके से भारत में प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

होल्डिंग सेंटर में 30 दिन तक रखें जा सकेंगे संदिग्ध विदेशी– एक दिन पहले ही सरकार ने 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' पॉलिसी को लागू करने की दिशा में सभी जिलों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों और डिपोर्टेशन का इंतजार कर रहे घुसपैठियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनाने का आदेश दिया था। 23 मई को जारी आदेश में जिला प्रशासन से कहा गया है कि ऐसे सेंटर बनाए जाएं, जहां पकड़े गए संदिग्ध विदेशियों को रखा जा सके। संदिग्ध विदेशियों को ऐसे सेंटर में अधिकतम 30 दिन तक रखा जा सकेगा। इस दौरान उनके दस्तावेज, पहचान और नागरिकता की जांच होगी।

गृहमंत्री अमित शाह बोले-

बॉर्डर पर लगेंगे एंट्री ड्रोन सिस्टम

- राजस्थान में सांचू पोस्ट से पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था, बॉर्डर पर किया नाश्ता

बीकानेर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सांचू पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान प्रहरी सम्मेलन में कहा- मैं ऐतिहासिक चौकी सांचू पर आया हूं। मेरे मन में सांचू चौकी को देखने की इच्छा गृहमंत्री बनने से पहले भी थी। 1964 के भारत-पाक युद्ध में सांचू की आबादी 500 से ज्यादा थी। आरएसी की चौकी 500 मीटर पीछे रणजीतपुरा गांव में थी।

- **दो बड़ी जंग की गवाह रही सांचू पोस्ट–** भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की ये सबसे ऐतिहासिक पोस्ट में शामिल है। ये दो बड़ी जंग की गवाह रही है। अमित शाह पहले गृहमंत्री हैं, जिन्होंने इस पोस्ट पर जाकर जवानों से मुलाकात की। उन्होंने यहां से पाकिस्तानी सरहद और जीरो पॉइंट वाला इलाका भी देखा।
- **सांचू पोस्ट से देखा पाकिस्तानी इलाका–** सांचू पोस्ट पर अमित शाह ने करीब डेढ़ घंटे बिताए। उन्होंने भीषण गर्मी में ड्यूटी करने वाले जवानों से उनके अनुभव व बॉर्डर एक्टिविटी को लेकर बातचीत की। जवानों के साथ उन्होंने ट्रेडिशनल नाश्ता भी किया। करीब 42 डिग्री टेम्प्रेचर वाली सांचू पोस्ट से अमित शाह ने दूरबीन से आसपास का एरिया भी देखा। इसमें पाकिस्तान बॉर्डर का एरिया भी शामिल है। शाह दोपहर करीब 12.30 बजे बीकानेर के लिए रवाना हुए।

शाह बोले– गर्मी में भी जवान देश की रक्षा के लिए समर्पित रहते हैं– शाह ने कहा– ऐतिहासिक चौकी पर सुबह सात बजे ही गर्मी शुरू हो जाती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान दिखाई देता है। वहां जवान अपने घर से दूर रहकर अपने जीवन का स्वर्ण काल भारत माता के लिए समर्पित कर रहे हैं।

आतंकी हमले की कोई हिम्मत नहीं करें– शाह ने कहा– 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था में कई परिवर्तन हुए। सेना का आधुनिकीकरण हो रहा है। जहां कुछ बड़े प्रयास आतंकवादियों की ओर से किए जाते हैं, वहां मुंहतोड़ जवाब देने की नीति भारत सरकार ने अपनाई है। प्रयास होने के बाद जवाब देना पड़े, यह स्थिति ठीक नहीं है। हमें सुनिश्चित करना पड़ेगा कि कोई प्रयास करने की हिम्मत ही न करे।

बंगाल में भी बैठक सुनिश्चित कर दी गई– शाह ने कहा– कुछ दिन पहले बिहार के सीमांचल में गया था। वहां प्रशासन और सरकार के साथ विस्तृत बैठक हुई थी।

स्टैंन गन की सफाई करते समय गोली चलने से हवलदार की दर्दनाक मौत

देहरादून। रानीपोखरी के गांव नागाघेर में पुलिस के एक हवलदार की स्टैंन गन की सफाई करते समय गोली चलने से दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक 49 वर्षीय हवलदार सुनील ने डेढ़ महीना पहले ही अपनी पैतृक ज़मीन पर मकान खड़ा किया था। वे अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। कल देर रात स्टेन गन की सफाई करते समय अचानक गोलियों की ताड़तड़ाहट से मोहल्ला गूँज उठा। कम से कम तीन गोलियां हवलदार सुनील कुमार की छाती में लगी जबकि सात गोलियां मकान की दीवार और खिड़की के शीशे में लगी। गंभीर रूप से घायल सुनील कुमार को उनका बेटा और पत्नी तुरंत हिमालयन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें बचाने के काफ़ी प्रयास किये लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। बेटे ने यह जानकारी रानीपोखरी थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस टीम उनके घर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारीयों को घटना क्रम की जानकारी दी गयी। सी ओ प्रभारी डोईवाला तुरंत मौके पर पहुंचे। आधी रात को ही फॉरेंसिक टीम के साथ एसपी देहात भी मौके पर पहुंचे और जांच का जायजा लिया। देर रात ही सुनील के शव को पोस्टमार्टम के लिए देहरादून मोरचरी भेज दिया गया। आज सुबह डाक्टरों का पैनल बना कर पोस्टमार्टम की जिम्मेदारी दी गयी। देर दोपहर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया संपन्न हुयी। इसके बाद जवान की पार्थिव देह को अंतिम सलामी के लिए पुलिस लाइन ले जाया गया। जहाँ से देर शाम उन्हें उनके नागाघेर स्थित आवास पर लाया गया। अंतिम संस्कार कल होगा। मिली जानकारी के अनुसार सुनील की ड्यूटी एयर पोर्ट स्थिति वीआईपी विश्राम ग्रह में थी।

दिल्ली क्वाड बैठक में ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया

- समुद्री रास्तों की आजादी जरूरी : जयशंकर
- 3 बड़े फैसलों पर सहमति बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक खत्म हो गई है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, 'ईरान की तरफ से होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने का असर अब तेल और ऊर्जा सप्लाई पर दिखने लगा है। क्वाड देशों का कहना है कि समुद्री रास्ते खुले रहना जरूरी हैं और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या रोक नहीं लगनी चाहिए।

इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल हुए। अमेरिका की ओर से मार्को रूबियो, जापान से तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेनी वोंग मौजूद रहे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। जिन देशों पर

आतंकी हमले होते हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक में 3 बड़े फैसलों पर चर्चा की गई। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने नई दिल्ली में मंगलवार को हुए क्वाड समिट में इंडो-पैसेफिक इलाके की चिंताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए रणनीतिक भरोसे को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा तय करना जरूरी है।

क्वाड के 3 बड़े फैसलों पर सहमति

1. क्वाड देशों ने समुद्र से जुड़ी जानकारी साझा करने और निगरानी बढ़ाने पर सहमति जताई है। बंदरगाहों से जुड़ी सुविधाओं के लिए एक एक्सपर्ट टीम बनाने पर भी विचार होगा। साथ ही फिजी में नया पोर्ट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा और समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स पर मिलकर काम होगा।
2. क्वाड देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स के लिए एक साझा फ्रेमवर्क तैयार किया है। भारत और अमेरिका ने भी इस मुद्दे पर अलग समझौता किया है। क्वाड अब इस काम में दूसरे देशों को भी जोड़ने की कोशिश करेगा।
3. इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए नई पहल शुरू की गई है।

पाकिस्तान बोला- इजराइल को देश नहीं मानेंगे

- विचारधारा से समझौता मंजूर नहीं, ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से कहा था- इजराइल से दोस्ती करें

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इजराइल से दोस्ती करने और उसे देश की मान्यता देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अपनी मौलिक विचारधाराओं से समझौता नहीं कर सकता। आसिफ ने कहा हम उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं जिनकी बात पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान दुनिया का शायद इकलौता देश है, जिसके पासपोर्ट पर लिखा होता है कि यह इजराइल के लिए मान्य नहीं है। इससे पाकिस्तान का रुख पूरी तरह साफ है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुस्लिम देशों से इजराइल से रिश्ते सुधारने और अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील की थी।

ट्विशा डेथ केस **सीडीआर-सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने पर आज सुनवाई**

सीबीआई सास गिरिबाला के घर पहुंची

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर भोपाल जिला कोर्ट में अलग-अलग आवेदन दायर किए गए हैं। इन पर भोपाल पुलिस की तरफ से कोई भी प्रतिवेदन कोर्ट में अब तक पेश नहीं किया गया है। इसका कारण सीबीआई द्वारा मामले की जांच अपने हाथ में लेना माना जा रहा है।

जल्द ही इस केस को सीबीआई कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की भी संभावना है। इससे पहले सोमवार रात सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ पर एफआईआर दर्ज की। इसमें दहेज में पैसों की डिमांड होने की बात मानी गई है।जानकारी के अनुसार, ट्विशा के परिवार की ओर से वकील अंकुर पांडे ने भोपाल कोर्ट में सीडीआर सुरक्षित रखने के लिए आवेदन दिया है। वहीं, गिरिबाला सिंह की ओर से सीसीटीवी फुटेज

- डीसीपी बोले-जिस बेल्ट का फंदा बनाया, उसकी फोरेंसिक जांच जारी

सुरक्षित रखने को लेकर एप्लीकेशन दी है। दोनों आवेदनों पर आज सुनवाई तय है।

जिस बेल्ट से फांसी लगाने की बात कही, वह एफएसएल के पास– उधर, ट्विशा के जिस जिमनास्टिक बेल्ट से कथित तौर पर फांसी लगाने का दावा किया जा रहा है, वह बेल्ट दोनों बार पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम को नहीं दिखाई जा सकी।

सीबीआई ने एफआईआर को दोबारा दर्ज कराया

सीबीआई की टीम सोमवार को भोपाल पहुंची थी। एजेंसी ने कटारा हिल्स थाने में पहले दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर कर ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया।

पुलिस जांच में 20 लाख रुपए अतिरिक्त मांगने की बात सामने आई थी। इसी आधार पर सीबीआई ने दहेज मृत्यु का मामला दर्ज किया है।

ईरान ने अमेरिका का एमक्यू-9 रीपर ड्रोन गिराया

- अमेरिका का होर्मुज के पास ईरानी बोट्स पर हमला, मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया

तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। आईआरजीसी का कहना है कि यह ड्रोन ईरानी हवाई क्षेत्र में घुस आया था। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका संघर्षविराम का उल्लंघन करता है, तो उसे जवाब देने का पूरा अधिकार है। इससे पहले अमेरिकी सेना ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास बारूदी सुरंग बिछा रही बोट्स को निशाना बनाया। इसके अलावा बंदर अब्बास पोर्ट के पास सरफेस टू एयर मिसाइल साइट पर भी हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के मुताबिक यह कार्रवाई सेल्फ-डिफेंस यानी आत्मरक्षा में की गई।

- **ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं–** ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि या तो अच्छा समझौता होगा या फिर कुछ भी नहीं होगा।
- **ईरान की दोहा वार्ता में होर्मुज और यूरेनियम मुद्दा सबसे अहम–** ईरान के शीर्ष प्रतिनिधिमंडल की कतर यात्रा में होर्मुज स्ट्रेट और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम सबसे अहम मुद्दे बने हुए हैं। साथ ही ईरान की फ्रीज संपत्तियों को जारी करने पर भी बातचीत हो रही है।

ईरान पर नए हमलों के बाद फिर बढ़े कच्चे तेल के दाम– ईरान पर अमेरिका के नए हमलों के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ गई हैं। इससे पहले अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद में तेल कीमतों में गिरावट आई थी। ब्रेंट क्रूड की कीमत मंगलवार सुबह 3.3 प्रतिशत बढ़कर 96.5 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। सोमवार को इसमें करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आई थी, क्योंकि बाजार को उम्मीद थी कि अमेरिका और ईरान युद्ध रोकने के लिए समझौते पर सहमत हो सकते हैं।

अमेरिकी हमलों में 4 ईरानी सैनिकों की मौत का दावा– मीडिया रिपोर्ट्स में दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास में अमेरिकी हमलों में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के 4 जवानों के मारे जाने का दावा किया गया है।

पंजाब - निगम-कौंसिल वोटिंग में मचा बवाल

- पुलिस और भीड़ में पथराव, लाठीचार्ज, युवक को करंट लगा
- कांग्रेस कैंडिडेट के हाथ-पैर तोड़े; सीएम के पूर्व ओएसडी हिरासत में

मोहाली/पठानकोट/लुधियाना/जालंधर (एजेंसी)। पंजाब में मोहाली समेत 8 नगर निगमों, 75 नगर कौंसिल और 20 नगर पंचायतों के लिए वोटिंग में कई जगह हिंसक झड़पें हुईं। पटियाला के समाना में पुलिस-भीड़ में पथराव हो गया। पुलिस ने भी भीड़ पर पत्थर मारकर लाठीचार्ज किया। हवाई फायरिंग की भी खबर है। इस दौरान एक युवक को करंट भी लग गया। लुधियाना के रायकोट में कांग्रेस कैंडिडेट के हाथ-पैर तोड़ दिए गए। सुबह 8 बजे शुरू हुई वोटिंग शाम 5 बजे तक चलेगी। राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 2 बजे तक 45.60 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। वोटिंग ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से हो रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने किया "अपनापन" के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में आयोजित केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'अपनापनझनरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।यह गरिमामयी समारोह भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू तथा पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। 'अपनापन' एक प्रेरणादायी कृति है, जिसमें शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ विभिन्न भूमिकाओं में प्राप्त अनुभवों का सजीव वर्णन किया गया है। पुस्तक में नेतृत्व, सेवा, सुशासन एवं राष्ट्र–निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विचारों को सरल एवं प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री ने पुस्तक के प्रकाशन पर शिवराज सिंह चौहान को शुभकामनाएं दीं ।

नौगांव में खुलेगा वन निगम का फुटकर लकड़ी डिपो

उत्तरकाशी। यमुना घाटी में वन निगम के फुटकर विक्रय डिपो खुलने की राह आसान हो गई है। विक्रय डीपो की मांग पर कार्रवाई करते हुए प्रबंधक निदेशक वन निगम नीना ग्रेवाल ने प्रभागीय लॉगिंग प्रबंधक वन विकास निगम टौंस पुरोला से अग्रिम कार्रवाई के लिए बिंदुवार रिपोर्ट मांगी है।तुनालका वार्ड के जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी ने अप्रैल माह में वन मंत्री सुबोध उनियाल को पत्र सौंपकर यमुनाघाटी के केंद्र बिंदु नौगांव में वन निगम का फुटकर विक्रय डिपो खोलने की मांग की थी। उनके पत्र पर मंत्री ने प्रबंध निदेशक को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। प्रबंध निदेशक ने डीएलएम पुरोला से बिंदुवार रिपोर्ट मांगी है। यमुना घाटी में लकड़ी का विक्रय डीपो न होने से जरूरतमंदों को अपने उपयोग के लिए समय पर इमारती लकड़ियां नहीं मिल पा रही हैं। इसके लिए उन्हें देहरादून और विकास नगर से अपनी आवश्यकताएं पूरी करनी पड़ रही हैं। अपर यमुना वन प्रभाग और टौंस वन प्रभाग से पुरोला, मोरी और नौगांव ब्लॉक की 249 ग्राम पंचायतें जुड़ी हुई है जिन्हें समय–समय पर आवासीय भवनों सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए इमारती लकड़ियों की जरूरत पड़ती है। दोनों वन प्रभागों में वन निगम का विक्रय डिपो न होने से आपदा और भूस्खलन से गिरे पेड़ों का वन निगम छपान कर बिक्री के लिए देहरादून के सेलाकुई स्थित बिक्री डिपो में पहुंचा रहा है। इसका सीधा नुकसान स्थानीय लोगों को हो रहा है। जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी ने बताया कि वन निगम का विक्रय डिपो खुलने से लकड़ी का यहीं भंडारण होगा और लोग जरूरत के हिसाब से इमारती लकड़ी खरीद सकेंगे। इससे वनों में होने वाली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और विभाग के ऊपर पीडी व फ्री ग्रांट की लकड़ी का दबाव भी नहीं रहेगा।

रीवा हादसे में दो जैन साध्वियों की मौत पर गुस्सा, संतों के सुरक्षित विहार की मांग

देहरादून। मध्य प्रदेश के रीवा में हुई सड़क दुर्घटना में दो जैन साध्वियों के असामयिक निधन से राजधानी के जैन समाज में भारी आक्रोश है। मंगलवार को भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या–14 (देहरादून परिक्षेत्र) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपना रोष व्यक्त किया। समाज के लोगों ने एसडीएम स्मिता परमार के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजकर देशभर में जैन साधु–साध्वियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेश चंद जैन और क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर डॉ. संजय जैन के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

समाज का कहना है कि रीवा में जैन साध्वियों के पदविहार के दौरान सुरक्षा में भारी चूक हुई। एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे आर्यिका श्रुतमती माताजी और उपशममती माताजी का निधन हो गया। इस दर्दनाक व हृदयविदारक घटना से संपूर्ण जैन समाज स्तब्ध और शोकाकुल है।प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि जैन साधु–संत पूर्णतः अपरिग्रही होते हैं और आजीवन देशभर में पैदल विहार करते हैं। ऐसे में उनके सुरक्षित विहार के लिए तत्काल प्रभाव से कड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही फरार ट्रक चालक और दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संक्षिप्त समाचार

आपदा व जिला योजना में प्रधानों के प्रस्ताव भी हों शामिल

पिथौरागढ़। जिला योजना व आपदा मद के कार्यों में ग्राम प्रधानों को वरीयता न मिलने पर प्रधानों में असंतोष जताया है। ग्राम प्रधानों ने 15वें वित्त की धनराशि भी जारी करने की मांग उठाई। मंगलवार को विण ब्लाक के ग्राम प्रधान विभिन्न समस्याओं को लेकर डीएम कार्यालय पहुंचे। विण ब्लाक के ग्राम प्रधान संगठन अध्यक्ष भरत राम ने कहा कि जिला योजना व आपदा मद में ग्राम प्रधानों के प्रस्तावों को शामिल नहीं किया जा रहा है,योजना स्वीकृत या पूरी होने के बाद ग्राम प्रधानों को योजना की जानकारी मिल रही है। आपदा से क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं, दीवार व रास्तों के सुधार के लिए आपदा से राशि मिलेगी तो समस्या का समाधान हो जाएगा। मनरेगा में फेस मैपिंग व राशन कार्ड के लिए आय प्रमाण पत्र बनाने में आ रही समस्या को लेकर भी समस्या रखी। ग्राम प्रधानों ने बताया कि प्रशासनिक बाधाओं के चलते 15वें वित्त की धनराशि डंप पडी हुई है, जिससे ग्राम पंचायतों में काम नहीं हो पा रहा है। डीएम आशीष कुमार भटगाई ने ग्राम प्रधानों की समस्याओं को सुनकर कार्रवाई की बात कही।

आश्वासन पर जल संस्थान संविदा संघ का धरना समाप्त

हल्द्वानी। समय पर वेतन भुगतान समेत आठ सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तराखंड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ ने मंगलवार को भी तिकोनिया कार्यालय में धरना दिया। वहीं शाम को हुई वार्ता के दौरान ईई रविशंकर लोशाली ने उच्चाधिकारियों और अनुबंधित फर्म को मांगों के संबंध में पत्र भेजने का आश्वासन दिया। पर संघ ने धरना समाप्त कर दिया।इससे पहले धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि प्रबंधन श्रमिकों की मांगों की सुनवाई नहीं कर रहा है। ऐसे में धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हो गए हैं। बीस साल से ज्यादा काम करने के बाद भी न्यूनतम वेतन दिया जा रहा है।

श्रमिकों की श्रेणी में बदलाव तक प्रबंधन नहीं कर रहा है। जिससे उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया है। इस दौरान शाखा अध्यक्ष महेश चंद्र, सचिव पवन कुमार, कोषाध्यक्ष पवन कुमार, संरक्षक गोविंद आर्या, पूर्व महामंत्री गिरीश चंद्र, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सिंह, विजय चंद्र सेन, श्याम सिंह बबियाड़ी, घनश्याम सिंह रावत, मोहन सिंह संभल, मौजूद रहे।

छात्रों की शैक्षिक प्रगति और आगामी योजनाओं पर चर्चा

उत्तरकाशी। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गेंवला में ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले छात्रों की शैक्षिक प्रगति और आगामी योजनाओं को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में छात्रों की पढ़ाई की स्थिति की समीक्षा की गई और आने वाले शैक्षणिक सत्र की तैयारी पर चर्चा हुई। प्रधानाचार्य उपेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश केवल आराम का समय नहीं है बल्कि यह बच्चों के लिए स्व–अध्ययन और कमजोर विषयों में सुधार का महत्वपूर्ण अवसर है। स्कूल अभिभावक और समाज के संयुक्त प्रयास से ही छात्रों का भविष्य बेहतर बनाया जा सकता है। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करने पर भी सहमति बनी। साथ ही पढ़ाई के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी संतुलित रूप से जारी रखने पर जोर दिया गया। बैठक में वरिष्ठ प्रवक्ता रवि चंद सिंह, एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट प्रयाग नाथ, पीटीए अध्यक्ष सतेंद्र सिंह रावत, क्षेपंस वीरेश मोहन सेमवाल उपस्थित रहे।

छात्रों ने वैदिक गणित के सरल सूत्र और टाइम मैनेजमेंट के गुर सीखे

देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में आयोजित व्याख्यान में युवाओं ने वैदिक गणित के सरल सूत्र और टाइम मैनेजमेंट के गुर सीखे। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में मंगलवार को वैदिक गणित विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत दून पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डी.के. पांडे के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय युवाओं के बौद्धिक विकास के लिए ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रम लगातार आयोजित करता रहेगा। इस सत्र में प्रसिद्ध गणित विशेषज्ञ डॉ. योगेश चांदना ने प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर बैंक भर्ती की तैयारी कर रहे छात्रों को वैदिक गणित की सरल और बेहद उपयोगी तकनीकों से रूबरू कराया।

डॉ. चांदना ने कहा कि वैदिक गणित जटिल गणनाओं को बेहद आसान व तेज बनाता है। यह विद्यार्थियों की मानसिक एकाग्रता, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी काफी मददगार है। उन्होंने आगामी परीक्षाओं के मद्देनजर समय प्रबंधन और त्वरित समाधान के कई महत्वपूर्ण सूत्र और व्यावहारिक टिप्स साझा किए। डॉ. चांदना ने कहा कि सफलता के लिए निरंतर अभ्यास, आत्मबल और विषय के प्रति गहरी रुचि होना आवश्यक है।

अनफिट और ओवरलोड वाहन होंगे सीज

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम मार्ग पर बिना फिटनेस, ओवरलोड और बिना परमिट दौड़ रहे वाहनों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने परिवहन विभाग को साफ निर्देश दिए है कि नियम तोड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए।

अल्मोड़ा में सघन चेकिंग अभियान, 115 वाहन चालकों पर कार्रवाई

अल्मोड़ा। वीआईपी भ्रमण, पर्यटन सीजन और 'ऑपरेशन प्रहार' अभियान के तहत मंगलवार को जिलेभर में पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 115 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई, जबकि छह वाहन सीज किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखने तथा असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में पुलिस टीमों ने प्रमुख चौराहों, बाजारों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में वाहनों की जांच की। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, त्रुटिपूर्ण दस्तावेज, रैश ड्राइविंग और मॉडिफाइड या रेट्रो साइलेंसर लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में छह वाहनों को सीज भी किया। इसके अलावा बिना पुलिस सत्यापन के रह रहे या घूम रहे 11 बाहरी व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई, जबकि 18 लोगों का सत्यापन कराया गया। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

एनएसजी टीम ने फतह किया एवरेस्ट

20 दिनों में शिखर तक पहुंचकर बनाया रिकॉर्ड

देहरादून। उत्तराखंड के वीर जवानों ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर देवभूमि का गौरव बढ़ाया है। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) की 16 सदस्यीय टीम ने 23 मई 2026 को सुबह 3:26 बजे नेपाल समयानुसार 8,848.86 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट पर सफल आरोहण किया। खास बात यह रही कि टीम ने काठमांडू से महज 20 दिनों में शिखर तक पहुंचकर एक दुर्लभ रिकॉर्ड बनाया। अभियान का नेतृत्व देहरादून के इंद्रापुर निवासी मेजर अखिलेश भट्ट ने किया। वह मूल रूप से टिहरी गढ़वाल के घनसाली क्षेत्र के रहने वाले हैं। अभियान में पौड़ी गढ़वाल के ग्राम कंडाई निवासी सूबेदार सुरेश कुमार बेबनी ने डिप्टी लीडर की जिम्मेदारी निभाई।

उनके साथ चमोली के नायक राहुल सिंह, अल्मोड़ा के नायक पंकज सिंह दोसाद और उत्तरकाशी के कमांडो गौतम बुटोला भी शिखर तक पहुंचे। एनएसजी टीम की यह सफलता लंबे और कठिन प्रशिक्षण का परिणाम मानी जा रही है। इससे पहले अक्टूबर 2025 में टीम ने मेजर अखिलेश भट्ट के नेतृत्व में गढ़वाल हिमालय स्थित माउंट सतोपंथ (7075 मीटर) का आरोहण किया था। इसके बाद लाहौल–स्पीति में डोगरा स्काउट्स के साथ विशेष शीतकालीन प्रशिक्षण लेकर माउंट कानामो (5975 मीटर) भी फतह किया गया।राज्यभर में इस उपलब्धि पर खुशी की लहर है।

जल संस्थान और जल निगम के ईई को कारण बताओ नोटिस

उत्तरकाशी। वन भूमि हस्तांतरण के लंबित मामलों और जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने जल संस्थान उत्तरकाशी और जल निगम के अधिशासी अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। दोनों अधिकारियों के वर्चुअल समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने और अपेक्षित प्रगति न दिखने पर डीएम ने गहरी नाराजगी जताई। मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने विकास कार्यों से जुड़े वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। समीक्षा में सामने आया कि स्टेज–1 के 155 और स्टेज–2 के 65 प्रकरण अब भी लंबित हैं जबकि 76 मामलों को भारत सरकार से स्वीकृति मिल चुकी है। डीएम प्रशांत आर्य ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि लंबित मामलों का तेजी से निस्तारण किया जाए और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट्स के लिए सीए लैंड पैच शीघ्र चिह्नित किए जाए।

साथ ही लैंड बैंक को तत्काल अपडेट करने के भी निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन से जुड़े मामलों में अपेक्षित गति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जनहित की योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी डीपी बलूनी, रवींद्र पुंडीर, अधीक्षण अभियंता लोनिवि विजय कुमार, एडीएम मुक्ता मिश्र, ईई लोनिवि रजनीश सैनी, सनी दयाल, जिला पर्यटन अधिकारी केके जोशी मौजूद रहे।

मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से आराकोट बंगाण के लोग परेशान

उत्तरकाशी। मोरी के सुदूरवर्ती आराकोट बंगाण क्षेत्र के डेढ़ दर्जन से अधिक गांव कई सालों से मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार दूरसंचार अधिकारियों, डीएम सीएम तथा दूरसंचार मंत्री तक से कनेक्टिविटी को लेकर शिकायत किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पाया है। उन्होंने क्षेत्र में जल्द ही मोबाइल नेटवर्क समस्या का निस्तारण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।बंगाण क्षेत्र के प्रमोद रावत, मनोज रावत, मनीषा रावत आदि ने बताया कि नेटवर्क व्यवस्था चरमराने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के अधिकांश इलाकों में मोबाइल सिग्नल न मिलने से लोगों की संपर्क व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि चौपट मोबाइल नेटवर्क व्यवस्था के कारण छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई, सरकारी योजनाओं की जानकारी, बैंकिंग सेवाएं एवं अन्य जरूरी ऑनलाइन कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

गोकशी में फरार चल रहे गैंगस्टर को पकड़ा

रुड़की। गोकशी और पशु क्रूरता के मामले में फरार चल रहे गैंगस्टर को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर पुलिस की ओर से लगातार गोकशी और पशु क्रूरता के आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पहले रिफाकत निवासी गांव जौरासी जबरदस्तपुर, रुड़की के खिलाफ पुलिस ने गोकशी और पशु क्रूरता के मामले में गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। तभी से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही थी। कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि सोमवार की शाम पुलिस ने आरोपी को मोहल्ला सोत बी, रुड़की से गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि इससे पूर्व दो गैंगस्टरों को जेल भेजा चुका है। जबकि अन्य की तलाश लगातार जारी है। इस दौरान पुलिस टीम में एसआई सुभाष चंद्र, हेड कांस्टेबल रजत और अनिल शर्मा शामिल रहे।

अल्मोड़ा में विभिन्न स्थानों पर लगी जंगल की आग पर फायर सर्विस ने की त्वरित कार्रवाई

अल्मोड़ा। जिले में सोमवार को विभिन्न स्थानों पर लगी जंगल की आग पर फायर सर्विस की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया। कई स्थानों पर आग आवासीय क्षेत्रों और संस्थानों की ओर बढ़ रही थी, जिसे समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। फायर विभाग के अनुसार दोपहर 3:40 बजे भैंसोंड़ाफार्म क्षेत्र में सड़क के ऊपर और नीचे चीड़ के जंगल में आग लगने की सूचना मिली।

मौके पर पहुंची फायर सर्विस यूनिट ने एमएफई पंपिंग और होजरील की सहायता से आग को नियंत्रित किया। पानी समाप्त होने पर कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। शाम 6:57 बजे विवेकानंद कृषि अनुसंधान संस्थान के पास जंगल में आग लगने और आग के तेजी से पॉली हाउस की ओर बढ़ने की सूचना मिली। फायर टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का कार्य किया। इस दौरान आईसीएआर के अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहे। रात 9:56 बजे पपरशैली क्षेत्र में द हिल्स पैराडाइज होटल के पास चीड़ के जंगल में लगी आग पर फायर टीम और वन कर्मियों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। एमएफई पंपिंग, होजरील और हरी टहनियों की सहायता से आग को पूरी तरह बुझाया गया। इसके बाद रात 11:09 बजे रेलाकोट मार्ग पर जंगल में आग लगने की सूचना मिली, जो आवासीय घरों की ओर बढ़ रही थी। फायर सर्विस टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को पूरी तरह बुझाया। घटनास्थल पर ग्रामीण भी मौजूद रहे।

शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी सम्पन्न

पिथौरागढ़। स्वतंत्रता सेनानी माधो सिंह जंगपांगी राइंका में शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी सम्पन्न हुई। विधायक बिशन सिंह चुफाल ने टॉपरों और रिटायर शिक्षकों को सम्मानित किया। चुफाल ने दो किताबों का विमोचन भी किया और शिक्षक भवन के लिए पांच लाख रुपए की सहायता की। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक कार्यकारिणी ने किया। प्रमोद दिगारी, डीडीहाट। स्वतंत्रता सेनानी माधो सिंह जंगपांगी राइंका में राजकीय शिक्षक संघ ब्लॉक कार्यकारिणी की शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी सम्पन्न हुई। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक बिशन सिंह चुफाल रहे। गोष्ठी के दौरान बारहवीं व दसवीं बोर्ड परीक्षा के विद्यालय टॉपरों व इस सत्र में रिटायर हुए शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान गोकर्ण लोहिया, सुरेंद्र पाल महरा, काशी राम गौतम, प्रेम सिंह पापड़ा, निशा टोलिया सहित अन्य शिक्षाविदों ने वर्तमान में शिक्षा के स्तर और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए अपने–अपने विचार रखे। विधायक चुफाल ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढुंगातोली के प्रभारी प्रधानाध्यापक दीपक मेहरा के स्वरचित दो किताबों सीखना सिखाना व निर्देशन परामर्श एवं विद्यालय प्रबन्धन का विमोचन किया। साथ ही डीडीहाट ब्लॉक कार्यकारिणी के अनुरोध पर विधायक चुफाल ने शिक्षक भवन निर्माण के लिए पांच लाख रुपए प्रदान किए। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक कार्यकारिणी अध्यक्ष आन सिंह रावत, पुनीत जोशी ने किया। संचालन धीरज खड़ायत ने किया।

होम्योपैथिक विंग में योग ब्रेक, नमस्ते ऐप की दी जानकारी

रुद्रपुर। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को जिला चिकित्सालय रुद्रपुर स्थित होम्योपैथिक विंग में कार्मिकों के लिए योग ब्रेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को नियमित योग के प्रति प्रेरित करने के साथ डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम के दौरान आयुष विंग के डॉ. बिरेन्द्र सिंह रौतेला ने कार्यालय में बैठकर किए जाने वाले सूक्ष्म योगाभ्यास कराए। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर अल्प समय के योग अभ्यास से तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और कार्यक्षमता बेहतर करने में मदद मिलती है। इस दौरान उपस्थित कार्मिकों को नमस्ते ऐप के उपयोग, इसकी विशेषताओं और स्वास्थ्य संबंधी उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रभारी होम्योपैथिक विंग डॉ. भावना टम्टा ने कहा कि नियमित योग ब्रेक कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण तैयार करने के साथ कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायक होते हैं।

गंगा दशहरा पर समिति ने बांटा शरबत

हल्द्वानी। गंगा दशहरा एवं पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा मंगलवार को पटेल चौक में शरबत वितरण किया गया। ग्रीन सिटी सर्राफा एंड स्वर्णकार एसोसिएशन ने सहयोग दिया।इस अवसर पर मानव धर्म के प्रणेता सदगुरुदेव सतपाल महाराज के शिष्य महात्मा सत्यबोधानंद ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में परोपकार की भावना होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। जीविका बाई और विरक्ता बाई ने भी गंगा दशहरा और पुरुषोत्तम मास के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य संयोजक एवं ग्रीन सिटी सर्राफा एंड स्वर्णकार एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम रस्तोगी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बागेश्वर में गौवंश संरक्षण को लेकर प्रशासन सख्त

बागेश्वर। जनपद में निराश्रित गौवंश के संरक्षण, गौसदनों की व्यवस्थाओं तथा गोवंश सुरक्षा को लेकर मंगलवार को विकास भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र अणथ्वाल ने की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौवंश संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी योजनाओं का प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जनपद में संचालित गौसदनों की वर्तमान स्थिति, उनकी क्षमता, आश्रित गोवंश की संख्या तथा वित्तीय वर्ष 2025–26 में जारी अनुदान राशि की विस्तृत समीक्षा की गई। अध्यक्ष ने गौसदनों में चारे की उपलब्धता, आधारभूत सुविधाओं तथा निराश्रित गौवंश के बेहतर संरक्षण हेतु विभागीय समन्वय को और मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गौसंरक्षण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का भी विषय है।

पार्किंग स्थल बनाने को किया था निरीक्षण, अब तक नहीं मिली जगह

शहर में पार्किंग नहीं होने से लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

कोटद्वार में पार्किंग के अभाव में लगा जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लाख दावों के बाद भी सरकारी सिस्टम शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं बना पा रहा है। शहर में कुछ स्थलों को चिह्नित करने के बाद भी आज तक इन्हें पार्किंग स्थल के रूप में विकसित नहीं किया गया। नतीजा, सड़कों पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन जाम का मुख्य कारण बनते जा रहे हैं। सुबह से ही सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चलते हैं। जबकि, स्थानीय जनता लगातार प्रशासन, नगर निगम व जनप्रतिनिधियों के समक्ष पार्किंग व्यवस्था बनाने की मांग उठा रही है।

शहर में लगातार वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में पार्किंग स्थल नहीं होने से यातायात व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही अन्य मार्गों पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन जाम का मुख्य कारण बन रहे हैं। कई स्थानों पर तो आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। शहरवासियों की शिकायत के बाद नगर निगम ने एक वर्ष पूर्व शहर में सड़क किनारे चौड़े स्थानों को पार्किंग स्थल बनाने का निर्णय लिया था। बकायदा पार्किंग स्थल के लिए चिह्नित प्रेक्षागृह के निचले तल व तहसील के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दीवार पर पार्किंग शुल्क भी दर्शाया गया था। इसके तहत दोपहिया वाहनों के लिए दस रुपये व चार पहिया वाहनों के लिए बीस रुपये शुल्क निर्धारित किया गया था। लेकिन, सरकारी सिस्टम की यह योजना धरातल पर कहीं भी नजर नहीं आई। वहीं, कुछ माह पूर्व नगर निगम, प्रशासन, एनएच व सिंचाई विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए झंडाचौक से बेस अस्पताल तक पार्किंग स्थलों की तलाश की। सिस्टम ने दस दिन के भीतर योजना पर कार्य करने का आश्वासन दिया था। लेकिन, यह दावा भी हवाई साबित हुआ।

दुर्घटनाओं का खतरा

शहर में पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण वाहन सड़क पर ही खड़े रहते हैं। ऐसे में आमजन को पैदल चलने का भी रास्ता नहीं मिल पाता। नतीजा लोगों को कई बार बीच सड़क से होते हुए आवागमन करना पड़ता है। जिससे हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। यही नहीं स्टेशन रोड, पटेल मार्ग व देवी रोड में तो रेहड़ी-ठेली व दुकानदारों ने भी सड़क पर अपना कब्जा जमाया हुआ है। यदि पार्किंग स्थल मिल जाता है तो शहर में यातायात की व्यवस्था में काफी सुधार होगा।

19 सूत्रीय मांगों को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शिक्षक एसोसिएशन शाखा ने प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देश पर तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को 19 सूत्रीय मांगों संबंधी ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में इरशाद हुसैन आयोग की रिपोर्ट तत्काल सार्वजनिक करने, एससी/एसटी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने और आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने, लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को संवैधानिक नियमों के तहत पारदर्शिता से शुरू करने, आरक्षण रोस्टर का कड़ाई से पालन कराने और बैकलॉग भर्ती प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी गई। ज्ञापन देने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष सोहन कोहली, मंत्री देवेंद्र प्रसाद, सलाहकार जगदीश वर्धन, प्रचार मंत्री मानकी शाह, बामसेफ जिला अध्यक्ष तुलसी मेहरा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। (एजेंसी)

बोर्ड परीक्षा की मेधावी छात्राओं का किया सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : अवकाश प्राप्त कर्मचारी विकास संगठन की ओर से पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में मेधावी छात्राओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में 80 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को फोल्डिंग छाता और स्टोल भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अन्य विद्यार्थियों को बिस्किट पैकेट वितरित किए गए। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था हमेशा मेधावी और निर्धन बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर इंटरमीडिएट की बारह और हाईस्कूल की सात छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने बोर्ड परीक्षा में 80 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए। कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक विमल बहुगुणा, अध्यक्ष सुरेश चंद्र मैठाणी, सचिव दीनबंधु सिंह चौहान और सह सचिव हरि प्रसाद उनियाल ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे अंक लाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य मीना गैरोला को संगठन की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	66-DRM-MB-26-27 dt. 25.05.2026
Name of Work	Construction of LHS in lieu of LC Nos. 12 & 17 (MB-CH) and LC No. 51 (CH-HGJ) under ADEN/CH.
Tender Closing Date, Time	18.06.2026
Advertised Value (Rs.)	14,47,84,046.90
Earnest Money (Rs.)	28,95,700.00
Tender Cost (Rs.)	0.00
Bidding Start Date	04.06.2026
Period of Completion	10 Months

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 25.05.2026 1771/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डेफोडिल्स पब्लिक इंटर कॉलेज में दिखा लोक सांस्कृतिक का उत्सव

आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एलायंस ऑर्गेनाइजेशन की ओर से डेफोडिल्स पब्लिक इंटर कॉलेज में उत्तराखंड लोक सांस्कृतिक उत्सव एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने पारंपरिक लोकगीतों और लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कैप्टन (अप्रा) सतीश चंद्र जोशी और प्रीतम पुंडीर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद कलाकारों ने गढ़ वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। लोक गायक राकेंद्र रौथाण, लोक गायिका संगीता और शिवांगी ने 'लाली हो पधानी लाली' और 'अल्या सारी पल्या सारी' जैसे पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति दी। वहीं लोक गायक राकेश ने 'घस्यारी' लोकगीत गाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। कलाकारों ने पारंपरिक गीत 'ओ भीना कसके जानु द्वारहटा' पर लोकनृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम की अध्यक्ष माया राणा ने कहा कि विद्यालयों में इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को लोक संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरूकता और अपनी विरासत के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं।

योग दर्शन की व्यावहारिक उपयोगिता बताई

श्रीनगर गढ़वाल : 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के प्राकृतिक चिकित्सा व योग विभाग की ओर से कार्यशाला व विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह के नेतृत्व में इस बार भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा।

इस दौरान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. उद्धम सिंह विषय विशेषज्ञ ने छात्रों को योगासन व षटकर्म की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही गुरूकुल कांगड़ी विवि हरिद्वार के वेद विभाग के डा. दीनदयाल ने योग दर्शन विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को योग दर्शन की व्यावहारिक उपयोगिता से अवगत कराया और जीवन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्राकृतिक चिकित्सा व योग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुजा रावत ने सभी अतिथियों, शिक्षकों व विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. जीएस ठाकुर, डॉ. सी. बेताल, डॉ. रजनी नौटियाल, डॉ. किरण वर्मा, डॉ. विनोद नौटियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

एक नजर

गिरंगांव में दिखा गुलदार, दहशत में ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : इडवालस्यूं पट्टी के गिरंगांव में सोमवार रात 10 बजे एक घर के आंगन से कुछ ही दूरी पर गुलदार दिखाई दिया, जिससे ग्रामीण दहशत में आ गए। परिवार के सदस्यों ने शोर मचाया तो गुलदार भाग गया। गिरंगांव निवासी सुभाष मैठाणी ने बताया कि सोमवार रात उनकी पत्नी आंगन में चूल्हे पर खाना बना रही थीं। घर के चारों ओर लाइटें जल रही थीं। वह खाना खाने के लिए कमरे से बाहर निकलकर आंगन की ओर बढ़े तो देखा कुछ ही दूरी पर बैठा गुलदार गुर्राने लगा। यह देख परिवार के सदस्यों के होश उड़ गए। सभी ने शोर मचाया तो गुलदार वहां से भाग गया। सुभाष मैठाणी ने बताया कि यदि उस समय लाइट नहीं जल रही होती तो गुलदार हमला कर सकता था। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाने और नियमित गश्त कराने की मांग की। वन विभाग के रेंजर नक्षत्र शाह ने बताया कि टीम को मौके पर भेजा जा रहा है और क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाएगी।

छात्रवृत्ति में वृद्धि कर पात्रता के नियमों में शिथिलता देने की मांग

नई टिहरी। अनुसूचित जाति–जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने छात्रवृत्ति में वृद्धि कर पात्रता के नियमों में शिथिलता देने, इरशाद हुसैन आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने, पदोन्नति में आरक्षण समेत 19 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। बुधवार को एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष एसके गनेरा के नेतृत्व में शिक्षकों ने तहसीलदार सुरेश चंद्र भट्ट से मुलाकात कर सीएम को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया है अनुसूचित जाति–जनजाति शिक्षक एसोसिएशन लंबे समय से समस्याओं के निराकरण को लेकर संघर्षरत हैं लेकिन सरकार उनकी न्यायोचित मांगों का समाधान नहीं कर रही है। उन्होंने आरक्षण के रोस्टर का पालन करने, कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाल करने, गोल्डन कार्ड योजना के तहत ओपीडी सहित गुणवत्तापूर्ण कैशलेस सुविधाएं देने सहित कई मांग की।

बर्फबारी से बढ़ी फिसलन, एसडीआरएफ बनी सहारा

चमोली। सिक्खों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब में मौसम बदलने के बाद सोमवार को हुई बर्फबारी से पैदल मार्ग पर भारी फिसलन पैदा हो गई है। खासकर मुख्य परिसर से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर नीचे तक रास्ता बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है जिससे तीर्थयात्रियों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कठिन परिस्थितियों के बीच एसडीआरएफ के जवान यात्रियों के लिए देवदूत साबित हो रहे। मार्ग पर तैनात टीम लगातार मुस्तैदी के साथ श्रद्धालुओं को फिसलन वाले हिस्सों से सुरक्षित पार करा रही है।

शिविर में उपभोक्ताओं ने दर्ज कराईं शिकायतें

चमोली। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच कर्णप्रयाग की ओर से आयोजित शिविर में उपभोक्ताओं ने बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज कराईं। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया जबकि लंबित शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। शिविर में केवर के प्रधान देवेंद्र कोहली ने टैक्सी स्टैंड परखाल तिराहे पर बाजार के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को बंच केबल में परिवर्तित करने तथा केवर गांव में झूल रही एलटी लाइन के तारों को ठीक करने की शिकायत की।

शिव विवाह की निकली झांकी, दर्शकों का मोहा मन

आयोजित कथा के दौरान निकाली गई शिव- पार्वती की झांकी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शिव मंदिर हल्दूखाता में आयोजित सार्वजनिक शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का भावपूर्ण श्रवण किया। कथा के दौरान निकाली गई शिव-पार्वती की आकर्षक झांकी ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथावाचक आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि हिमालय पुत्री पार्वती ने कठोर तपस्या कर भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ देवताओं और अपने गणों के साथ हिमालय के घर बारात लेकर पहुंचे थे और यह दिव्य विवाह जनकल्याण के उद्देश्य से संपन्न हुआ। उन्होंने आगे बताया कि भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय ने तारकासुर का वध कर संसार को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। तारकासुर को वरदान प्राप्त था कि उसका वध केवल शिव पुत्र ही कर सकता है। कार्यक्रम में शिव-पार्वती विवाह की मनमोहक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर विकास पंत, इंदू नौटियाल, नर्मदा देवी, दीपा देवी, संगीता रावत, कुसुमलता, बीना देवी, नंदा देवी, हेमलता, सुमन पुष्पा और सविता सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

व्यापार मंडल के चुनाव की तैयारियां जोरों पर

श्रीनगर गढ़वाल : व्यापार मंडल श्रीनगर के चुनाव के संबंध में चुनाव संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव प्रक्रिया को लेकर चर्चा हुई और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। समिति के सदस्यों ने चुनाव शांतिपूर्ण, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। कहा गया कि इस बार चुनाव प्रक्रिया में एक नया बदलाव किया गया है। बैलेट पेपर में चुनाव चिह्न के स्थान पर प्रत्याशी का फोटो प्रकाशित की जाएगी, जिससे मतदाताओं को प्रत्याशी की पहचान करने में आसानी होगी।

बैठक में तय किया गया कि व्यापारियों की वोटर लिस्ट 28 मई को जारी की जाएगी। यदि किसी व्यापारी को वोटर लिस्ट पर आपत्ति हो या किसी कारणवश उसका नाम सूची में छूट गया हो तो वह 29 मई की शाम तक आपत्ति दर्ज करा सकेगा। इसी दिन छूटे हुए व्यापारी अपना नाम भी जुड़वा सकेंगे। घोषित कार्यक्रम के अनुसार 30 और 31 मई को नामांकन पत्रों की बिक्री होगी। 1 और 2 जून को प्रत्याशी नामांकनपत्र जमा करेंगे। 3 को नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी होगी।

नरेंद्रनगर नगर पालिका चुनाव की अधिसूचना जारी, नौ जून को होगा मतदान

नई टिहरी। राज्य निर्वाचन आयोग ने नरेंद्रनगर नगर पालिका के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। चुनाव घोषणा होते ही नगर क्षेत्र में राजनीतिक सरगरमी बढ़ गई है। नरेंद्ररनगर नगर पालिका का चुनाव पिछले साल आरक्षण और परिसीमन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण स्थगित कर दी गई थी।नगर पालिका का चुनाव नौ जून को होगा। नरेंद्रनगर नगर पालिका चुनाव के लिए 27 से 29 मई तक नामांकन पत्रों की बिक्री की जाएगी। नाम निर्देशन पत्रों की जांच 30 मई को की जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि 31 मई को सुबह 10 से अपराह्न तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

बालिकाओं को दी सुरक्षा से संबंधित जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में आयोजित किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत छात्राओं को उनके अधिकारों, स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को जागरूक बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त करना रहा।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही एनीमिया से बचाव के लिए पोषण के प्रति जागरूक किया गया और मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने संबंधी जानकारी देकर सैनेटरी पैड भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में छात्राओं को यौन उत्पीड़न से बचाव, गुड टच-बैड टच, पोक्सो एक्ट और साइबर सुरक्षा के बारे में भी जागरूक किया गया। इस दौरान कन्या भ्रूण हत्या रोकने का संकल्प दिलाते हुए लोगों से बेटा-बेटी में भेदभाव समाप्त कर दोनों को समान अवसर और सम्मान देने की अपील की गई।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

पोखरी चांदनीखाल के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त

चमोली। पोखरी चांदनीखाल के पास पोखरी–चांदनीखाल मोटर मार्ग पर एक ईको वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। हादसे में वाहन करीब 60 मीटर गहरी खाई में जा गिरा और उसके परखच्चे उड़ गए। थानाध्यक्ष देवेन्द्र पंत ने बताया कि वाहन हापला से पोखरी की ओर आ रहा था। चांदनीखाल के समीप उल्काधार में अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना में भिकोना निवासी अनुज (26 वर्ष), गुनियाला निवासी विजनेस रावत और चौरा निवासी अक्षय (40 वर्ष) घायल हो गए। सूचना मिलते ही लखपत सिंह बुटोला, विधायक प्रतिनिधि धीरेन्द्र सिंह राणा और थानाध्यक्ष देवेन्द्र पंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को खाई से निकालकर पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोखरी पहुंचाया।

उत्तर रेलवे

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

उ.रे., मंडल रेलवे चिकित्सालय, चिकित्सा विभाग, मुरादाबाद मंडल

सूचना सं. 139-Med/C2C/DH/MB-25 दिनांक: 25.05.2026

शुद्धि पत्र

मंडल रेलवे अस्पताल, मुरादाबाद में केस–टू–केस आधार पर मेडिकल कंसल्टेंटों की संविदा पर नियुक्ति हेतु

इस कार्यालय के समसंख्यक पत्र दिनांक 19.05.2026 तथा दिनांक 23.05.2026 को समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापन के क्रम में यह सूचित किया जाता है कि कुछ विशेषताओं में वृद्धि / संशोधन किया गया है। संशोधित विज्ञापन निम्नानुसार है:–

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे अस्पताल, मुरादाबाद में निम्नलिखित विशेषताओं में एक वर्ष या अस्पताल की आवश्यकता रहने तक, जो भी पहले हो, केस–टू–केस आधार पर मेडिकल कन्सल्टेंट/विशेषज्ञ की संविदा नियुक्ति हेतु योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करते हैं:–

क्र. सं.	विशेषता का नाम	विशेष रूचि/उप–विशेषता का क्षेत्र
1	ई.एन.टी.	सामान्य ई.एन.टी. एवं जटिल ई.एन.टी. मामले
2	जनरल सर्जरी	सामान्य सर्जरी एवं जटिल शल्य चिकित्सा मामले
3	ऑर्थोपेडिक्स	ऑर्थोपेडिक शल्य चिकित्सा एवं अन्य जटिल ऑर्थोपेडिक्स मामले
4	गाइनी सर्जरी	जटिल गाइनकोलोजिकल शल्य चिकित्सा मामले
5	एनेस्थीसिया	गाइनकोलोजिकल, जनरल तथा ऑर्थोपेडिक्स शल्य चिकित्सा हेतु तथा नियमित एनेस्थीटिस की अनुपस्थिति या जटिल/उच्च जोखिम वाले मामले
6	नेफ्रोलॉजी	जटिल नेफ्रोलॉजी मामले
7	यूरोलॉजी	यूरोलॉजिकल शल्य चिकित्सा एवं जटिल यूरोलॉजी मामले
8	डॉर्मेटोलॉजी	त्वचा रोगों एवं जटिल त्वचा मामलों का उपचार
9	डेन्टल सर्जन	पी.टी.डी.एस. की अनुपस्थिति में दांत मामलों का उपचार
10	पल्मोनोलॉजी	श्वसन तंत्र एवं फेफड़ों से संबंधित रोगों का उपचार
11	रूमेटोलॉजी	ऑटोमयून रोग, अर्थराइटिस एवं मस्कुलोस्केलटल विकारों का उपचार
12	ऑप्थैल्मोलॉजी	नेत्र शल्य चिकित्सा एवं जटिल नेत्र शल्य चिकित्सा मामले

आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में A4 साइज पेपर पर भरकर सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व–प्रमाणित प्रतियों सहित जमा किया जाए।

विस्तृत विज्ञापन, आवेदन पत्र तथा अन्य विवरण उत्तर रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं: https://nr.indianrailways.gov.in/recruitmentinfo

अभ्यर्थी अपना पूर्ण रूप से भरा हुआ एवं हस्ताक्षरित आवेदन पत्र, आवश्यक दस्तावेजों की स्व–प्रमाणित प्रतियों सहित निम्नलिखित पते पर जमा करें:– मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल रेलवे अस्पताल, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश 244001,

आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि: 10.06.2026 को 13:00 बजे तक या उससे पहले।

मूल विज्ञापन जो इस कार्यालय के समसंख्यक पत्र दिनांक 19.05.2026 के द्वारा प्रकाशित किया गया था, उसके अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल

1760/26 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	15/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:– हरिद्वार में क्रू और ट्रेन मैनेजर के लिए नए रनिंग रूम के निर्माण हेतु विद्युत कार्य और लक्सर में स्वास्थ्य इकाई के सुधार हेतु विद्युत कार्य तथा अन्य विविध संबंधित कार्य।	5731794.68 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	114600.00	6 (छ:) माह	निविदायें दिनांक 17.06.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/मुरादाबाद।
2	16/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:– देहरादून स्टेशन के उन्नयन के लिए विद्युत कार्य।	6954488.69 (जीएसटी सहित)		139100.00			

निविदा सूचना सं0: 18/2026 दिनांक :– 26.05.2026 1779/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी, पौड़ी-गढ़वाल

संख्याः- 324 / न0पा0प0/निवि. सू.-2026/ दिनांकः मई 25 2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद पौड़ी द्वारा दिनांक 15-06-2026 से 19-06-2026 तक जय कण्डोलिया पौड़ी महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाना है, जिसमें निम्न कार्यों हेतु व्यवस्था की जानी है, जिस हेतु नगर पालिका परिषद पौड़ी द्वारा 08-06-2026 को सायं 03 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन सायं 04 बजे गठित समिति के सम्मुख खोली जायेगी। धरोहर धनराशि के रूप में दिये गये प्रारूप के अनुसार सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद पौड़ी के नाम बंधक हो को निविदा फार्म के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा से संबंधित शर्ते / विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक कार्यालय से ज्ञात की जा सकती है, निर्धारित तिथि तथा समय पश्चात प्राप्त होने वाली निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	जमानत धनराशि	
01	साउण्ड एवं लाइट व्यवस्था	75,000/-	1000+ जी0एस0टी0
02	पारितोषिक / खेल सामग्री	75,000/-	1000+ जी0एस0टी0
03	जल पान	50,000/-	1000+ जी0एस0टी0

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

(0199/55)

संपादकीय

खाकी का असंवेदनशील आचरण

अक्सर संवेदनशील प्रकरणों में पुलिसकर्मियों के रवैया को लेकर सवाल उठाते आए हैं लेकिन जब सब कुछ मीडिया और कैमरे के सामने घटित हो रहा तो हो तो मामला और अधिक संगीन हो जाता है। खास तौर पर जब पुलिस तंत्र किसी ऐसे लोग हर्ष प्रकरण की जानकारी देने के लिए सामने आ रहा हो जो किसी मासूम बच्ची से दुराचार और उसकी हत्या से जुड़ा हुआ हो तो उसमें संवेदनशीलता न केवल जांच के दौरान बल्कि सार्वजनिक मंच पर भी नजर आनी चाहिए। तमिलनाडु के कोयंबतूर में ऐसी ही एक प्रेस वार्ता में तीन बड़े पुलिस अधिकारियों की हंसी ठिठोली बच्ची के रेप और हत्याकांड के खुलासे की जानकारी देने के दौरान नजर आई है, जिसने पूरे समाज को अचंभित कर दिया, वह भी तब जब प्रकरण की जानकारी देने वाली खुद एक महिला हो। सब कुछ ऐसा घटित हो रहा था मानो पुलिस कर्मियों को ऐसी वीभत्स घटना के बाद महज औपचारिकता पूरी करने के लिए मंच साझा करना पड़ रहा हो। ना चेहरे पर कोई गंभीरता और ना ही आचरण में। संवेदनशील मामलों जैसे बलात्कार, हत्या, बच्चों के खिलाफ अपराध, सांप्रदायिक तनाव या बड़े हादसों में पुलिस अधिकारियों का व्यवहार बेहद संयमित, मानवीय और पेशेवर होना चाहिए। ऐसे मामलों में जनता पुलिस के रवैये को बहुत ध्यान से देखती है। मंच पर बैठकर ठहाके लगाने वाली यह महिला पुलिस अफसर और उनके अधीनस्थ शायद यह भूल गए कि

पीड़ित और परिवार के प्रति सहानुभूति दिखानी चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस या सार्वजनिक मंच पर हँसी–मज़ाक, हल्के इशारे या लापरवाही वाला रवैया नहीं होना चाहिए। तथ्यों को जिम्मेदारी से साझा करना चाहिए, वह भी तब जब घटना किसी मासूम बच्ची जुड़ी हो।

जांच की गोपनीयता बॉडी लैंग्वेज, चेहरे के भाव और भाषा में सबमें गंभीरता और संवेदनशीलता दिखनी चाहिए, जिसका यहां पूरी तरह से मखौल उड़ाया गया। हमारे देश में पुलिस आचरण को लेकर कई दिशानिर्देश भी हैं, जिनमें पीड़ित–केंद्रित व्यवहार, विशेषकर महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता पर जोर दिया जाता है। ऐसी घटनाओं में अधिकारियों के सार्वजनिक व्यवहार पर अक्सर इसलिए प्रतिक्रिया होती है क्योंकि लोग उम्मीद करते हैं कि पुलिस पीड़ितों के दर्द के प्रति सम्मान दिखाए। पुलिस सेवा में आचरण नियम और सेवा अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं, क्योंकि पुलिस का काम केवल कानून लागू करना ही नहीं बल्कि जनता का विश्वास बनाए रखना भी होता है।

चिंतन–मनन

धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरूआत और संस्थापकः इसकी शुरूआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं। विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है। अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टे-केगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरूआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरूआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी।

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

तरुण विजय

लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ।

इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से।

ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का हृदय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हजार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं। उन्ही की और इंगित करते होते अमित शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का हमारे प्रति इतना विश्वास है कि हाल ही के बंगाल चुनावों में प्रदेश की सोलह में से सोलह जनजातीय सीटें भाजपा ने जीतीं हैं।

लाल किले के जनजातीय समागम में मणिपुर, अरुणाचल, नागालैंड और असम की बहनों ने इतना सुंदर वंदे भारतम गाया की सब चकित रह गए। इस समागम की गूंज आने वाले वर्षों तक केवल गूंजती हे नहीं रहेगी बल्कि इसका असर होगा और भारत सरकार को बाध्य होना पड़ेगा कि वह धर्मान्तरित होने वाले तमाम जनजातीय लोगों को डी लिस्ट करे शिड्यूल ट्राइब से बाहर निकाले।

इस समागम ने जनजातीय समाज को शक्ति दी है, भक्ति दी है, युक्ति दी है, तत्त्वचिंतन दिया है और पराक्रम का एक भाव जागृत किया है कि हम जनजातीय हैं, हम भारत माता की संतान हैं, हम कभी परास्त नहीं होंगे राष्ट्र के शत्रुओं को, संस्कृति और धर्म के शत्रुओं को हम परास्त करेंगे।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं।

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' का उद्घोष किया, जिस धरती से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 'गलती' केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 'वृद्ध सम्मान' को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मयार्दाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में नौ मंजिला इमारत गिरी, 21 लोग मलबे में दबे

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस की राजधानी मनीला के उत्तर में स्थित एंजेल्स शहर में रविवार तड़के एक निर्माणाधीन नौ मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में कम से कम 21 लोग लापता हैं, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश और तूफान के बाद यह हादसा हुआ। राहत कार्य के दौरान मलबे के नीचे से कुछ आवाजें सुनाई दी हैं, बचावकर्मी कंक्रीट काटकर लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरीन : आईआरजीसी के साथ साजिश के आरोप में 9 को उम्रकैद

बहरीन , एजेंसी। बहरीन की एक अदालत ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ मिलकर देश के खिलाफ आतंकवादी और शत्रुतापूर्ण कृत्यों की साजिश रचने के आरोप में नौ दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दो अन्य आरोपियों को तीन-तीन साल जेल की सजा दी गई है। दोषी पाए गए व्यक्ति संवेदनशील स्थलों की जानकारी जुटाने और वित्तीय लेनदेन की सुविधा प्रदान करने में शामिल थे।

बलूचिस्तान में मुठभेड़ में नौ लड़ाकों और चार जवानों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में स्थानीय लड़ाकों के खिलाफ चलाए गए एक खुफिया ऑपरेशन में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए और सात घायल हो गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार को बताया कि कुचलक और नोहसार इलाकों में शनिवार को हुई मुठभेड़ में नौ लड़ाके भी ढेर कर दिए गए। मारे गए सभी जवान आतंकवाद निरोधी विभाग के थे। घायल कर्मियों का क्वेटा में इलाज चल रहा है। सुरक्षा बलों ने पहले भी 35 लड़ाकों को ढेर किया था।

पाकिस्तान : आतंकियों ने शांति समिति के चार सदस्यों को मारा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवादियों ने बड़ा हमला कर दिया। यह हमला डेरा इस्माइल खान जिले की कुलाची तहसील में हुआ, जहां स्थानीय शांति समिति के सदस्यों को निशाना बनाया गया। इस हमले में चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर समिति के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमलावरों ने सिर्फ हमला ही नहीं किया, बल्कि समिति के एक सदस्य का अपहरण भी कर लिया। इसके अलावा आतंकवादी वहां मौजूद अन्य सदस्यों के हथियार भी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवादी हमलों से प्रभावित रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस का कहना है कि आतंकियों की तलाश जारी है और जल्द ही हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। मालूम हो कि पाकिस्तान में विद्रोही संगठन भी लगातार हिंसक आंदोलन कर रहे हैं।

स्पेन : घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों लोगों ने घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन किया है। लोग लगातार बढ़ते किराए और घरों की कीमतों से परेशान हैं। इससे कई स्पेनिश नागरिकों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो गया है। यह प्रदर्शन रविवार को शहर के केंद्र में किया गया। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के लिए 2027 के चुनाव से पहले स्पेन में आवास संकट एक बड़ी राजनीतिक चुनौती माना जा रहा है।

द. चीन सागर में ताइवान के नियंत्रण वाले द्वीप के पास टकराव के बाद वापस लौटा चीनी जहाज

ताइपे, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर के उत्तरी छोर पर स्थित रणनीतिक तौर से अहम प्रतास द्वीप समूह के पास ताइवान और चीन के तटरक्षकों के बीच गंभीर गतिरोध और तीखी बहस के बाद रविवार को आखिरकार चीनी तटरक्षक जहाज वापस लौट गया। ताइवानी तटरक्षक बल के मुताबिक, शनिवार को एक चीनी तटरक्षक जहाज प्रतास द्वीप की ओर आते देखे जाने पर ताइवान ने जहाज भेज तुरंत चेतावनी दी थी। इस पर दोनों पक्षों के बीच संप्रभुता को लेकर रेडियो पर तीखी बहस हुई। इसमें चीन ने अपने जहाज के रोजाना की गश्त पर होने और प्रतास द्वीप के चीन की संप्रभुता और अधिकार होने की बात कही। इसके जवाब में ताइवानी जहाज ने चीनी जहाज से शांति भंग न करने और वापस लौटने को कहा।

यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला, रूस ने बरसाया घातक हथियार, क्या है हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल

कीव , एजेंसी। रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। इस हमले में दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यूक्रेन के प्रधानमंत्री जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में बताया कि परमाणु या पारंपरिक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम ओरेश्निक मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेरक्वा शहर पर निशाना साधा गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्य का तुरंत पता नहीं चल पाया है।

क्या है ओरेश्निक मिसाइल : ओरेश्निक मिसाइल आवाज की रफ्तार से 10 गुना अधिक यानी मैक 10 की रफ्तार से लक्ष्य की ओर बढ़ती है। यह भूमिगत बंकरों को तीन, चार या उससे अधिक मंजिलों की गहराई तक नष्ट करने में सक्षम है। रूसी भाषा में 'ओरेश्निक' का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है। यह तीसरी बार है जब रूस ने ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन पर किया है। रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल किया था। दूसरी बार इसका इस्तेमाल जनवरी में पश्चिमी लवीव क्षेत्र में किया गया था। यूक्रेन का क्या दावा यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, इस संयुक्त हमले में 600 ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री और जमीनी मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को नष्ट कर दिया या बीच में रोक दिया। वायु सेना ने बताया कि लगभग 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं। इससे पहले, जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि रूस ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है।

जगह-जगह उठता रहा धुआं : चश्मदीदों के मुताबिक शनिवार रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से समूचे कीव में धुआं उठता दिखा। एपी के पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में स्थित इमारतों और सरकारी भवनों के पास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। रविवार सुबह तक हमला जारी था तथा कीव पर और अधिक मिसाइल एवं ड्रोन से हमले की आशंका है। कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में आवासीय भवनों सहित कई जगहों पर नुकसान हुआ है।

पांच मंजिला इमारत पर हमला : यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ। इससे उसमें आग लग गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई। महापौर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत पर हमला हुआ जिसमें लोग शरण लिए हुए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में सुपरमार्केट और गोदामों को भी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के गवर्नर मायकोला कलाश्निक के अनुसार, कीव क्षेत्र में कई समुदायों को नुकसान पहुंचा है।

रूस ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि उसने 'ओरेश्निक' सहित अन्य मिसाइल प्रणालियों का उपयोग करते हुए यूक्रेन के सैन्य कमान और नियंत्रण केंद्रों, वायुसेना अड्डों और सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये लक्ष्य कहां स्थित थे। मंत्रालय ने यह भी कहाकि यह हमला रूसी क्षेत्र में नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया। हालांकि, उसने तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को रूस के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में एक कॉलेज के छात्रावास पर ड्रोन हमले की निंदा की। रूस ने इन हमलों के लिए यूक्रेन पर आरोप लगाया है। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सेवा ने शनिवार देर रात बताया कि स्टारोबिलस्क में हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसमें कहा गया है कि गत रात हुए हमले में 42 अन्य लोग घायल हुए थे। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा नियुक्त लुहांस्क क्षेत्र के अधिकारियों ने पीड़ितों के सम्मान में रविवार और सोमवार को दो दिन के शोक की घोषणा की। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों ने युद्ध के शुरुआती दिनों से ही रूस पर नियमित रूप से नागरिकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। क्रेमलिन इन आरोपों से इनकार करता है।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान से प्रणय वर्मा की मुलाकात

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा में एक और अहम कदम सामने आया है। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत, बांग्लादेश के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को और गहरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ढाका में हुई इस विदाई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग के कई संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। तारिक रहमान ने प्रणय वर्मा के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत सरकार ने प्रणय वर्मा को अब बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है।

बैठक में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भी मौजूद रहे। प्रणय वर्मा ने सितंबर 2022 में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त का पद संभाला था। अब उनकी जगह पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश हाल के तनावपूर्ण दौर के बाद रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान से समझौता मंजूरी में लग सकते हैं कुछ दिन : रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस का मानना है कि ईरान की लीडरशिप से इस समझौते को मंजूरी मिलने में कुछ दिन लग सकते हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अभी बातचीत पूरी तरह फाइनल नहीं हुई है और यह डील टूट भी सकती है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह संभावित समझौता लंबे समय तक शांति बनाए रखने वाला कोई पक्का समझौता बनेगा या नहीं, और क्या इसमें अमेरिका की परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी मांगों का भी हल निकलेगा। रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों से कहा है कि वे 'जल्दबाजी में कोई समझौता न करें', क्योंकि 'समय हमारे पक्ष में है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'दोनों पक्षों को समय लेना चाहिए और सही तरीके से फैसला करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की पाबंदी तब तक पूरी तरह लागू रहेगी, जब तक कोई समझौता तय होकर उस पर आधिकारिक मंजूरी और हस्ताक्षर नहीं हो जाते। रविवार को ही ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही बातचीत का बचाव करते हुए ओबामा सरकार के समय हुए परमाणु समझौते की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा बातचीत ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकेगी। 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 2015 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय हुआ ईरान परमाणु समझौता यह बयान ऐसे समय आया जब ट्रंप ने कहा कि ईरान और कई मध्य-पूर्वी देशों के बीच एक बड़ा क्षेत्रीय समझौता लगभग तैयार हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं से बातचीत की है।

कांगो में इबोला का कहर तेज: 900 के पार पहुंचे संदिग्ध मामले, दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है ये वायरस?

किंशासा, एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में इबोला वायरस का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश के पूर्वी हिस्से में फैले संक्रमण ने अब गंभीर रूप ले लिया है। कांगो सरकार के मुताबिक संदिग्ध इबोला मामलों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है। लगातार बढ़ते संक्रमण और मौतों ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस प्रकोप को कांगो के लिए बहुत बड़ा खतरा बताया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर संक्रमण फैलने का जोखिम अभी कम माना गया है। इस बीच भारत सरकार ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की सलाह दी है। कांगो में इबोला का प्रकोप कितना गंभीर हो गया है? कांगो के संचार मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक 904 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 119 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। इससे पहले 700 से ज्यादा मामलों और 170 से अधिक मौतों की जानकारी दी गई थी। संक्रमण का सबसे ज्यादा असर इतुरी प्रांत में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य एजेंसियों का कहना है कि मौजूदा प्रकोप के लिए बंडिबुग्यो स्ट्रेन जिम्मेदार माना जा रहा है। यह इबोला का खतरनाक प्रकार है और फिलहाल इसके लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन या खास दवा उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से हालात को बेहद गंभीर माना जा रहा है। दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है इबोला कांगो में तेजी से बढ़ते इबोला मामलों ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते संक्रमण नहीं रोका गया तो यह दूसरे देशों तक फैल सकता है। बंडिबुग्यो स्ट्रेन के खिलाफ अभी कोई प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। कई देशों ने अफ्रीकी देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इबोला ने फिर दिखाया कि संक्रामक बीमारियां तेजी से वैश्विक खतरा बन सकती हैं।

भारतीयों के लिए क्या एडवाइजरी जारी की गई है : भारत सरकार ने कांगो, युगांडा और आसपास के देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों में भी संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा टालने की सलाह दी गई है। जो भारतीय फिलहाल इन देशों में रह रहे हैं, उन्हें स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। सरकार ने लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की अपील की है। भारत में अब तक इबोला का कितना असर देखा गया? भारत में अब तक इबोला का सिर्फ एक मामला सामने आया है। साल 2014 में पश्चिम अफ्रीका में फैले इबोला संक्रमण के दौरान लाइबेरिया से लौटे 26 वर्षीय भारतीय नागरिक में यह वायरस पाया गया था। एयरपोर्ट स्क्रीनिंग के दौरान उसकी पहचान हुई थी। बाद में उसे आइसोलेट कर सफलतापूर्वक इलाज किया गया और संक्रमण को फैलने से रोक लिया गया। इसके बाद भारत में इबोला का कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया। फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई सक्रिय मामला दर्ज नहीं है। इबोला एक बेहद खतरनाक और कई बार जानलेवा वायरस है। यह संक्रमित जानवरों से इंसानों में फैलता है और फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से तेजी से दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी, शरीर में दर्द और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं।

मंगल के बेहद करीब पहुंचा नासा का यान, लाल ग्रह की भेजीं हैरान करने वाली तस्वीरें

वॉशिंगटन , एजेंसी। नासा का साइक अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के बेहद करीब से गुजरते हुए बड़ी वैज्ञानिक सफलता हासिल करने में कामयाब रहा है। इस यान ने लाल ग्रह की बेहद साफ और दुर्लभ तस्वीरें पृथ्वी पर भेजी हैं। 15 मई को हुए इस हाई-स्पीड फ्लाईबाय के दौरान यान मंगल की सतह से सिर्फ 4,609 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह मिशन सिर्फ तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका मकसद अंतरिक्ष यान की रफ्तार बढ़ाना और उसकी दिशा बदलना भी था। इस उपलब्धि को नासा के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक दोनों नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है।

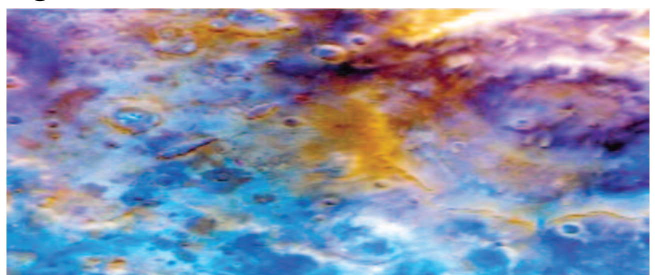

आखिर मंगल के इतने करीब क्यों पहुंचा था यान : नासा के अनुसार साइक मिशन के तहत अंतरिक्ष यान को मंगल के गुरुत्वाकर्षण का फायदा देने के लिए उसके बेहद करीब ले जाया गया। वैज्ञानिक इस तकनीक को ग्रैविटी असिस्ट कहते हैं। इसमें किसी ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का इस्तेमाल कर यान को अतिरिक्त गति दी जाती है। इससे यान को अपने इंजन से कम ईंधन खर्च करना पड़ता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक की मदद से अंतरिक्ष मिशनों को लंबी दूरी तक अधिक प्रभावी तरीके से भेजा जा सकता है।

यान ने कौन-कौन सी तस्वीरें भेजीं : फ्लाईबाय के दौरान यान में लगे मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर ने मंगल ग्रह की सतह की कई शानदार तस्वीरें कैद कीं। इनमें मंगल के दक्षिणी उच्चभूमि क्षेत्र और विशाल डबल-रिंग ह्यूजेंस क्रेटर की तस्वीरें सबसे खास मानी जा रही हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ह्यूजेंस क्रेटर का व्यास करीब 470 किलोमीटर है। तस्वीरों में मंगल की प्राचीन और गड्ढों से भरी सतह बेहद स्पष्ट दिखाई दे रही है। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को लाल ग्रह के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मिशन के लिए यह फ्लाईबाय कितना अहम माना जा रहा है : नासा और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार यह फ्लाईबाय पूरे मिशन का बेहद महत्वपूर्ण चरण था। मंगल के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल कर यान की दिशा को सही मार्ग पर स्थापित किया गया। खास बात यह रही कि इसके लिए अतिरिक्त ईंधन खर्च नहीं करना पड़ा। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह की तकनीक भविष्य के गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

अंतरिक्ष अनुसंधान में क्यों महत्वपूर्ण है यह उपलब्धि : विशेषज्ञों के मुताबिक साइक मिशन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मंगल के करीब पहुंचकर इतनी स्पष्ट तस्वीरें लेना और साथ ही यान की गति बढ़ाना दोनों बड़ी सफलता हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है।

भारतीयों शादियों से कमाना चाह रहा नेपाल, पूर्व वित्त मंत्री ने सोने के गहनों पर टैक्स हटाने की मांग की

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने भारत से आने वाले पर्यटकों को लेकर बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने नेपाल सरकार से मांग की कि भारतीय नागरिकों के सोने के गहनों पर लगने वाला टैक्स खत्म किया जाए। पांडे का कहना है कि अगर सरकार यह कदम उठाती है तो नेपाल को शादी समारोहों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े देशों से आने वाले पर्यटकों के जरिए नेपाल अपनी पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन पहले से ही बड़ी भूमिका निभाता है और विदेशी मुद्रा कमाने का यह अहम जरिया माना जाता है।

भारतीय पर्यटकों को लेकर सुरेंद्र पांडे ने क्या सुझाव दिया : काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नेपाल सरकार को बाजार को ज्यादा आजादी देनी चाहिए और जरूरत से ज्यादा नियम-कानून लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सख्त नियमों से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती। पांडे ने खास तौर पर भारतीय नागरिकों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल को शादी डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की बड़ी संभावना है। लेकिन इसके लिए भारतीय मेहमानों द्वारा पहने जाने वाले सोने के गहनों पर टैक्स में राहत देना जरूरी होगा। उनका मानना है कि इससे भारतीय परिवार नेपाल में शादी समारोह आयोजित करने के लिए ज्यादा आकर्षित होंगे। नेपाल में सोने के गहनों को लेकर क्या नियम हैं फिलहाल नेपाल में हवाई मार्ग से आने वाले विदेशी यात्रियों को 50 ग्राम तक सोने के गहने और 100 ग्राम तक चांदी के गहने बिना कस्टम ड्यूटी के लाने की अनुमति है। हालांकि यह शर्त होती है कि यात्रा पूरी होने के बाद उन्हें वापस ले जाया जाए। भारतीय दूतावास के मुताबिक यह छूट सिर्फ निजी इस्तेमाल के लिए लागू होती है। सुरेंद्र पांडे का कहना है कि अगर भारतीय पर्यटकों के लिए नियम और आसान किए जाएं तो नेपाल को पर्यटन के क्षेत्र में बड़ा फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से रोजगार और कारोबार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन बढ़ाने के लिए और क्या सुझाव दिए गए : नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पांडे ने सरकार को भारत और चीन से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़े पर्यटन पैकेज तैयार करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि नेपाल को दोनों देशों के करोड़ों लोगों को ध्यान में रखकर अपनी पर्यटन रणनीति बनानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वाहनों के नेपाल में प्रवेश को आसान और बिना परेशानी वाला बनाने की मांग की। उनका कहना है कि अगर सीमा पर प्रक्रियाएं सरल होंगी तो ज्यादा भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचेंगे। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन सबसे अहम क्षेत्रों में से एक माना जाता है। पहाड़, धार्मिक स्थल, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की वजह से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचते हैं।

केमिकल टैंक में ब्लास्ट का खतरा: 50 हजार से ज्यादा लोगों का विस्थापन, जहरीली गैस के खौफ से सहमा कैलिफोर्निया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा रोकने के लिए अधिकारी दिन-रात एक कर रहे हैं। यहां एक फैक्ट्री में केमिकल का टैंक खराब हो गया है। इस टैंक से खतरनाक गैस निकल रही है, जिसके डर से हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर जाना पड़ा है। गार्डन ग्रोव शहर की जीकेएन एयरोस्पेस फैक्ट्री के एक टैंक में करीब 22,713 से 26,498 लीटर 'मिथाइल मेथाक्राइलेट' नाम का केमिकल भरा है। पिछले हफ्ते यह टैंक अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया और इससे जहरीली गैस हवा में फैलने लगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर टैंक का तापमान कम नहीं हुआ, तो या तो सारा केमिकल बाहर बह जाएगा या फिर टैंक बम की तरह फट जाएगा। इस वीकेंड पर सुरक्षा के लिए 50,000 से ज्यादा लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि अभी तक कोई घायल नहीं हुआ है। दमकलकर्मी टैंक पर लगातार पानी डालकर उसे ठंडा कर रहे हैं।

क्यों खतरनाक है यह केमिकल : यह केमिकल एक ऐसा लिक्विड है जिसमें आसानी से आग लग जाती है और इसका कोई रंग नहीं होता। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और नकली दांत बनाने में होता है। सरकार ने इसे बेहद खतरनाक माना है। पर्यावरण एजेंसी ईपीए के मुताबिक, इसकी गैस से आंख, नाक और फेफड़ों में तेज जलन होती है। ज्यादा मात्रा में यह गैस शरीर में जाए तो चक्कर आने लगते हैं, याददाश्त पर असर पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि, राहत की बात है कि अभी हवा में प्रदूषण का स्तर सामान्य है।

टैंक में क्या खराबी आई है : इस मुसीबत की वजह यह है कि टैंक का ड्रेनेज वाल्व यानी केमिकल निकालने वाला रास्ता खराब हो गया है। अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो बड़ा केमिकल स्पिल होगा या फिर धमाका हो जाएगा। दमकल विभाग टैंक के तापमान को 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने में जुटा है ताकि अंदर दबाव न बने। ईपीए चीफ ली जेल्डिन ने कहा कि सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि केमिकल को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खुद ही बाहर निकलने दिया जाए, ताकि अधिकारी उसे काबू में कर सकें।

अगर धमाका हुआ तो क्या होगा : अगर टैंक का तापमान बढ़ा, तो अंदर का लिक्विड केमिकल गैस बन जाएगा। गैस बनने से दबाव बढ़ेगा और टैंक फट सकता है। इससे आसपास के दूसरे टैंकों में भी आग लग सकती है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रेजिना ने बताया कि धमाका होने पर यह जहरीली गैस दूर-दूर तक फैल जाएगी। इससे लोगों के गले में खराश, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी समस्याएं होंगी। डिजनीलैंड के दो पार्क इस खतरे के दायरे से बाहर हैं, इसलिए वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि टैंक में एक हल्की दरार दिख रही है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर एलियास पिकाजो ने बताया कि यह दरार एक तरह से अच्छी है, क्योंकि इससे थोड़ी-थोड़ी गैस बाहर निकल जाएगी और अंदर का दबाव कम होगा। इससे अधिकारियों को अंदर के केमिकल को ठंडा करके जमाने का समय मिल जाएगा।

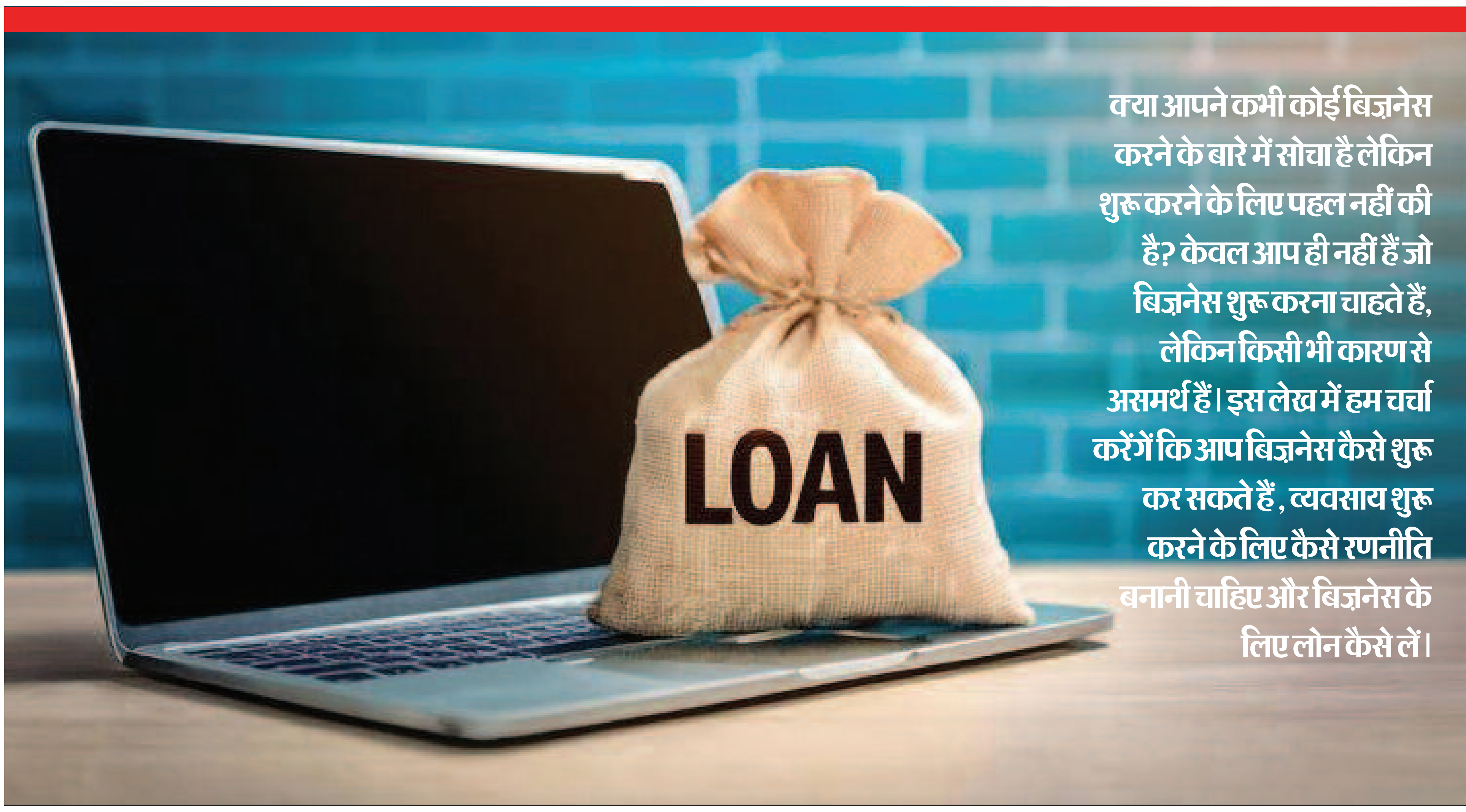

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/स्केल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बेज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई केसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस ज़रूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बेज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम

अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना

कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना

एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना

अकाउंट सिस्टम चुनना

एक वेबसाइट बनाना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ह्र्रञ पेशेवरों, ।।क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान –एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

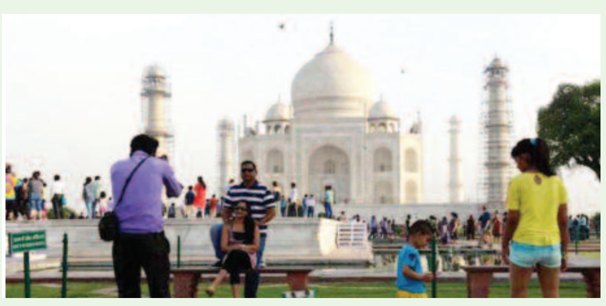

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी – किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल –अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स – गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं – अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (ड्ड्र, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटिशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

91वें जन्मदिवस पर पूर्व प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों के लिए दिए 51 हजार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कांसखेत में सोमवार को विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य मनोहर सिंह रावत को उनके 91वें जन्म दिवस के अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के शैक्षिक हित में 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता विद्यालय को प्रदान की। विद्यालय परिवार ने पूर्व प्रधानाचार्य को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत अध्यापक घनानंद बागसी एवं छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के साथ की गई। बताया गया कि ब्रिटिश शासनकाल के समय स्थापित यह विद्यालय वर्तमान में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कांसखेत (सीबीएसई) के रूप में संचालित हो रहा है। मनोहर सिंह रावत ने इस विद्यालय में 38 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। सेवानिवृत्ति के 32 वर्ष बाद भी वह शिक्षा, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए विद्यालय को निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके समय में पारिवारिक परिस्थितियां बेहद कठिन होती थीं और सुविधाओं का अभाव था, जबकि आज विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं एनजीओ के माध्यम से विद्यार्थियों को अनेक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राइका कांसखेत का गौरवशाली इतिहास रहा है और यहां से शिक्षा प्राप्त कर कई छात्र राजनीति, न्याय पालिका, भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा तथा शिक्षा विभाग के उच्च पदों तक पहुंचे हैं। इस मौके पर प्रधानाचार्य राकेश प्रजापति, पूर्व प्रधानाध्यापिका श्रीमती मंजुलता रावत, पूर्व प्रधानाचार्य राकेश रावत, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी भानु प्रताप सिंह रावत, पूर्व पीटीए अध्यक्ष चित्र सिंह रावत, विजय नैथानी, सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य मोहम्मद कादिर आदि मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्रों को मंत्री ने किया सम्मानित

नई टिहरी। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतापनगर ब्लॉक क्षेत्र के हाईस्कूल व इंटर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि छात्र–छात्राएं प्रदेश और देश का भविष्य है। शिक्षा के माध्यम से ही समाज और राष्ट्र का विकास संभव है शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने लंबगांव महाविद्यालय में 358.98 लाख की लागत से निर्मित शिक्षा संकाय (बीएड कॉलेज) भवन, 204 लाख की लागत से निर्मित राजकीय इंटर कॉलेज तौलीसैण मुखेम के भवन पुनर्निमाण और 280 की लागत से निर्मित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय प्रतापनगर का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र–छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पूर्व विधायक विजय सिंह पंवार ने शिक्षा मंत्री डॉ. रावत को 9 सूत्री ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। राजकीय महाविद्यालय लंबगांव में बीएड कॉलेज भवन का निर्माण पूरा होना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

शिक्षक और कर्मचारियों की 19 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : अनुसूचित जाति-जनजाति एसोसिएशन ब्लॉक थलीसैंण के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष हरीश चन्द्र आर्य के नेतृत्व में शिक्षक एवं कर्मचारियों से संबंधित उन्नीस सूत्रीय मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी थलीसैंण के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में मुख्य रूप से शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, पदोन्नति, बैकलॉग भर्ती, रिक्त पदों की पूर्ति, सेवा संबंधी विसंगतियों के निराकरण सहित शिक्षकों के हितों से जुड़ी अन्य मांगों पर शीघ्र कार्यवाही किए जाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि शासन द्वारा उक्त मांगों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। ब्लॉक अध्यक्ष किशन राठी ने बताया कि प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर आंदोलन के प्रथम चरण में सरकार को ज्ञापन प्रेषित किया गया है। अगर सरकार समय पर मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती तो एसोसिएशन प्रदेशव्यापी आंदोलन को बाध्य होगी। ज्ञापन देने वालों में एसोसिएशन के जिला पौड़ी गढ़वाल के अध्यक्ष हरीश चन्द्र आर्य, ब्लॉक अध्यक्ष किशन राठी, मनोज कुमार, धनीराम आदि शामिल थे। वहीं एसोसिएशन के ब्लॉक मंत्री अमर सिंह के नेतृत्व में चाकीसैंण तहसील के माध्यम से भी 19 सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। ज्ञापन देने वालों में अमर सिंह, ब्रह्म संजय शाह, चन्द्र प्रकाश भटवाल, केशी लाल, शक्ति सौरभ आदि शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ व बदरीनाथ हाईवे से हटेगा अतिक्रमण

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ व बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थायी और अस्थायी अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। एनएच ने राजमार्ग सीमा में आने वाले 247 अतिक्रमणों को चिह्नित कर नोटिस जारी किए। मानसून शुरू होने से पहले सभी अतिक्रमित को हटाया जाएगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग खंड की ओर से प्रस्तुत अनुपालन रिपोर्ट में बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 107 और 107ए के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी है। विभाग ने कुछ स्थानों से अतिक्रमण हटा दिए हैं जबकि शेष स्थानों पर नोटिस जारी किए गए हैं। एनएच के अधिशासी अभियंता ओंकार पांडे ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 107 (पुराना 109) पर कुल 344 अतिक्रमण चिह्नित किए गए थे जिनमें से 107 हटाए जा चुके हैं जबकि 237 शेष हैं। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग 107ए पर कुल 14 अतिक्रमण में से चार हटाए गए हैं और 10 बाकी हैं। दोनों मार्गों पर करीब 358 अतिक्रमणों में से 111 हटाए जा चुके हैं और 247 अभी शेष हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान संभावित भूस्खलन और मलबा आने की स्थिति को देखते हुए संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों पर मशीनरी और संसाधनों की तैनाती के निर्देश भी दिए गए हैं।

चोपता–चंद्रशिला ट्रैकिंग मार्ग पर बढ़ रही गंदगी का निस्तारण करें

रुद्रप्रयाग। तुंगनाथ मंदिर एवं चोपता–तुंगनाथ–चंद्रशिला ट्रैकिंग मार्ग पर बढ़ती गंदगी के निस्तारण के लिए समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने प्लास्टिक अपशिष्ट व अन्य कचरे के प्रभावी निस्तारण के लिए विभागों को निर्देश। जिला कार्यालय एनआईसी कक्ष में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की लगातार बढ़ती आवाजाही के कारण क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है व इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। इस संबंध में पूर्व में जारी आदेश में संयुक्त आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए गए थे। प्रभागीय वनाधिकारी, केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग, गोपेश्वर ने आख्या भेज दी है। अन्य विभाग भी संयुक्त आख्या जल्द दें। जिलाधिकारी ने कहा कि तुंगनाथ–चंद्रशिला ट्रैक मार्ग पर प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक पर्यटन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने का कार्य करे। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी केदारनाथ वन प्रभाग सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, जिला पूर्ति अधिकारी केएस कोहली और अभिहित अधिकारी मनोज कुमार सेमवाल आदि मौजूद रहे।

हाईवोल्टेज से उपकरण जले

चमोली। चटवापीपल स्थित पेट्रोल पंप में हाईवोल्टेज के कारण कई उपकरण जल गए जिससे करीब 8:30 घंटे तक चालकों को पेट्रोल और डीजल नहीं मिल पाया। इस कारण लोगों को पेट्रोल–डीजल के लिए भटकना पड़ा। तकनीशियनों ने पंप पर पहुंचकर उपकरण को ठीक किया और दोपहर करीब 2:30 बजे से पेट्रोल और डीजल मिलना शुरू हो गया। मंगलवार को सुबह करीब 6 बजे अचानक हाईवोल्टेज के कारण पेट्रोल पंप के कई उपकरण जल गए और पेट्रोल–डीजल की मशीन बंद हो गई। पंप के संचालक वीरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि उपकरणों को सही करने के लिए तकनीशियनों को बुलाया गया। उन्होंने उपकरण ठीक किए जिसके बाद पेट्रोल–डीजल मिलना शुरू हुआ। इस दौरान पेट्रोल और डीजल भरने के लिए पहुंचे लोगों को बैरंग लौटना पड़ा। वहीं कर्णप्रयाग और सिमली पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की व्यवस्था सुचारु रही। वहीं जीएमओयू के पंप के प्रबंधक सूरज रावत ने बताया कि 4 हजार लीटर पेट्रोल और 8 हजार लीटर डीजल उपलब्ध है जबकि 4 हजार पेट्रोल और 8 हजार लीटर का टैंक की डिमांड भेजी गई थी।

ज्योतिर्मठ में पुलिस स्कॉट में बाजार से भेजे जा रहे वाहन

चमोली। नगर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए अब पुलिस स्कॉट में वाहनों को नृसिंह मंदिर मार्ग के साथ ही मुख्य बाजार से भी बदरीनाथ की तरफ भेजा जा रहा है। यात्रा के दौरान नगर में वन वे सिस्टम लागू रहता है। ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के बीच लग रहे भीषण जाम को देखते हुए पुलिस की ओर से मारवाड़ी पुल और पेट्रोल पंप के पास एक–एक घंटे में वाहनों की आवाजाही करवाई जा रही है। नृसिंह मंदिर मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ने पर अब मुख्य बाजार से भी वाहनों को बदरीनाथ की ओर भेजा जा रहा है। कोतवाली निरीक्षक देवेंद्र रावत ने बताया कि वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए यह ट्रैफिक प्लान बनाया गया है, जिससे तीर्थ यात्रियों को दिक्कत न हो।

कृषि प्लाटों की लॉटरी प्रक्रिया पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

नई टिहरी। टिहरी बांध प्रभावित रौलाकोट गांव के ग्रामीणों ने लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से आवंटित किए गए कृषि प्लाटों पर आपत्ति जताई है। उन्होंने लॉटरी प्रक्रिया को निरस्त कर दोबारा से कराए जाने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना कि उन्हें जिस स्थान पर आवासीय प्लांट दिए गए है, वहीं कृषि भूखंड भी आवंटित किए जाने चाहिए।

पांचाली में ग्रामीण विधिक सेवा एवं सहायता केंद्र शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : सिविल जज जूनियर डिवीजन सतपुली नेहा ने कल्जीखाल ब्लॉक की न्याय पंचायत पांचाली स्थित सामुदायिक भवन में ग्रामीण विधिक सेवा एवं सहायता केंद्र का शुभारंभ किया। यह केंद्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के तहत स्थापित किया गया है। इस अवसर पर सिविल जज नेहा ने कहा कि आम नागरिकों को सुलभ एवं समय पर न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि जरूरतमंद लोगों तक कानूनी सहायता पहुंचाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर ग्रामीण विधिक सेवा एवं सहायता केंद्र खोले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत पांचाली के सामुदायिक भवन में संचालित होने वाले इस केंद्र में प्रत्येक सोमवार को पैरालीगल वालंटियर (पीएलवी) उपलब्ध रहेंगे, जो जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता और परामर्श प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में पीएलवी पुष्पेंद्र राणा, ग्राम प्रधान अशोक रावत, पूर्व प्रधानाचार्य कुशलानंद बलूनी, पूर्व प्रधान संतोषी रावत, महिला मंगल दल अध्यक्ष सोनम नेगी, ग्राम विकास अधिकारी दीपेश नेगी, राजस्व उपनिरीक्षक राकेश नेगी, राजस्व उपनिरीक्षक दौलत सिंह बिष्ट, पीएलवी जगमोहन डांगी, सज्जन सिंह नेगी, भगवती प्रसाद, रक्षा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव की रंजिश, किया गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सड़क पर वाहन खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से पंचायत चुनाव को लेकर विवाद चला आ रहा था। उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि मैती काटल निवासी मोहम्मद उस्मान, मुन्ना अहमद, मो. आरिफ, मो. आदिल व मो. सुल्तान के बीच पंचायत चुनाव को लेकर विवाद चल रहा था। जिसमें से एक पक्ष ने रामणी-पुलिंडा मार्ग पर बीच सड़क पर वाहन खड़ा कर दिया। जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट शुरु हो गई। बताया कि मामले में दोनों पक्ष के लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

गढ़वाल विवि और एसएसबी के बीच हुआ एमओयू

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय और केंद्रीयकृत प्रशिक्षण केंद्र (सीटीसी) एसएसबी, श्रीनगर गढ़वाल के बीच आपसी सहयोग एवं समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के तहत दोनों संस्थान प्रशिक्षण, शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास, खेल, योग, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण सहित अन्य पारस्परिक हितों के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। साथ ही विद्यार्थियों एवं कर्मियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक और प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भविष्य में संयुक्त कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर सहमति जताई। वक्ताओं ने कहा कि यह समझौता ज्ञान, अनुभव और संसाधनों के आदान-प्रदान को मजबूत करने के साथ-साथ विद्यार्थियों और कार्मिकों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दियूरी–तल्ली में शराब पीने–पिलाने पर प्रतिबंध

नई टिहरी। ग्राम पंचायत दियूरी–तल्ली के ग्रामीण भी शराबबंदी की मुहिम में शामिल हो गए। शादी, नामकरण संस्कार सहित सभी आयोजन के दौरान ग्रामीणों ने शराब का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए ग्राम सुधार समिति का गठन किया गया और उल्लंघन करने वाले परिवारों के खिलाफ आर्थिक दंड लगाने का निर्णय लिया गया ।ग्राम प्रधान सरला देवी की अध्यक्षता में हुई बैठक में गांव में बिना अनुमति के बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने, विवाह, समारोह के दौरान रात 12 बजे के बाद डीजे न बजाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए ग्राम सुधार समिति का गठन कर उषा देवी अध्यक्ष, रीना देवी उपाध्यक्ष, नीतू बाला सचिव, गौरव सकलानी सहसचिव, रमेश दत्त सकलानी को कोषाध्यक्ष चुना गया। वार्ड सदस्य कुसुम सेमवाल, कविता देवी, सुषमा, रजनी, सुमित थपलियाल, विवेक उनियाल, सरोजिनी उनियाल को सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में डॉ. जगदीश बडोनी ने ग्रामीणों को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी।

नदियों के किनारे वाले क्षेत्रों की साफ सफाई का विशेष ध्यान दें

जिलाधिकारी ने ली जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मंगलवाल को जिला सभागार गोपेश्वर में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक ली। बैठक में उन्होंने नमामि गंगे के तहत कार्य कर रही एसटीपी की कार्य कुशलता एवं गुणवत्ता एवं डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण, गीले कूड़े से कम्पोस्ट खाद का विवरण एवं उससे प्राप्त आय, कॉम्पेक्ट मशीन से तैयार प्लास्टिक और बायोमेडिकल बेस्ट प्रबंधन की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के अलकनंदा एवं अन्य नदियों के किनारे वाले क्षेत्रों की साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए एवं निकाय क्षेत्रों में निर्मित शमशान घाटों में नियमित सफाई रखने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को बायोमेडिकल वेस्ट का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत द्वारा 09 विकासखण्डों में संचालित कॉम्पेक्टर मशीनों की जानकारी ली एवं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित किया कि सभी कॉम्पेक्टर मशीनों की मरम्मत करवाने के साथ ही माणा गांव में कॉम्पेक्टर मशीन लगवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गोपेश्वर, अनिल पंत ने बताया कि उत्तराखण्ड प्लास्टिक और अन्य जीव अनाशित कूड़ा कचरा अधिनियम 2013 के तहत अप्रैल माह में 34 चालान किये गये जिनसे 8400 की धनराशि प्राप्त हुयी वहीं एंटी लिटरिंग एण्ड एंटी स्पिटिंग एक्ट के तहत अप्रैल माह में 42 चालानों से 8200 की धनराशि प्राप्त हुयी।

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर को उत्कृष्ट कार्यों हेतु राज्यपाल ने किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर को उत्कृष्ट प्रशिक्षण स्तर, श्रेष्ठ प्रशासनिक व्यवस्था, अटूट अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, कार्यकुशलता तथा भारतीय सेना की गौरवशाली परम्पराओं को संरक्षण एवं संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्यपाल, उत्तराखंड लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

यह गौरवशाली सम्मान 25 मई 2026 को लोक भवन नैनीताल, उत्तराखंड में आयोजित ह्लएक शाम सैनिकों के नामह्न अलंकरण समारोह के दौरान प्रदान किया गया। समारोह में यह प्रशस्ति पत्र गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल एवं सेंटर सूबेदार मेजर नन्द किशोर ने ग्रहण किया। यह सम्मान गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर को अग्निवीरों एवं सैनिकों के सर्वांगीण प्रशिक्षण, पूर्व सैनिकों व वीर नारियों के कल्याण, रेजिमेंट की गौरवशाली परम्पराओं के संरक्षण, नैतिक मूल्यों के संवर्धन तथा राष्ट्र सेवा के प्रति प्रतिबद्धता जैसे उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया। उत्तराखंड की संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण में भी गढ़वाल राइफल्स सदैव अग्रणी रही है। रेजिमेंटल सेंटर ने लोककला, संगीत और पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुए ह्लबद्री विशालह्न की सांस्कृतिक विरासत को सहेजा है, साथ ही ह्लहरित लैंसडौनह्न अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और पर्यावरण जागरूकता अभियानों के माध्यम से देवभूमि की प्राकृतिक सुन्दरता और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान सभी सैनिकों के कठिन परिश्रम, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर भविष्य में भी इसी उत्साह, निष्ठा और उत्कृष्टता के साथ राष्ट्र सेवा में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

चकरेड़ा गांव में जल संस्थान के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के चकरेड़ा गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना है। समस्या का समाधान नहीं होने पर गुस्साए ग्रामीण गांव में धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही पेयजल समस्या का निस्तारण नहीं किया जाता है तो ग्रामीणों को आंदोलन तेज करने को मजबूर होना पड़ेगा। नैलचामी पट्टी के चकरेड़ा गांव में तीन–चार साल से पेयजल की समस्या बनी हुई है। गरमियों में पानी कम होने के कारण ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। समस्या से अवगत कराने पर भी समाधान नहीं होने पर गुस्साए जिला पंचायत सदस्य अनुज शाह और प्रधान राखी देवी ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठ गए। धरना स्थल पर हुई सभा में शाह ने कहा कि वर्ष 2021 में जल जीवन मिशन के तहत गांव में पेयजल लाइन बिछाई गई थी। योजना को तीन भागों में विभाजित कर छह जल स्त्रोत जोड़े गए। लेकिन आपदा के बाद अधिकांश स्त्रोतों पर पानी कम हो गया है। जिससे ग्रामीण पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं। गांव के अधिकतर लोग दूर–दराज से पानी ढ़ोने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए जगदीशिला क्षेत्र से नई पंपिंग पेयजल योजना बनाने की मांग की। धरने पर बैठे ग्रामीणों के बीच पहुंचे जल संस्थान के अधिशासी अभियंता संतोष उपाध्याय ने कहा कि पेयजल समस्या के शीघ्र समाधान के लिए गांव में हैंडपंप लगाने के लिए मशीन मांग दी गई है। पंपिंग पेयजल योजना की डीपीआर तैयार कर शीघ्र ही शासन को भेजने के आश्वासन पर ग्रामीणों ने धरना स्थगित कर दिया।

फील्ड कार्मिकों की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उत्तराखंड में वनाग्नि घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए वन विभाग की ओर से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। जिसके तहत मंगलवार को वन संरक्षक व नोडल फायर डॉ. विनय भार्गव ने चमोली में वनाग्नि प्रबंधन की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जनपद के विभिन्न वन प्रभागों के अधिकारियों की बैठक लेते हुए वनाग्नि की रोकथाम के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने जनपद में बनाए गए क्रू स्टेशनों और वनाग्नि प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दिवंगत फायर वॉचर राजेन्द्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

चमोली के धनपुर स्थित वन विश्राम भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में वन संरक्षक एवं नोडल फायर डॉ. विनय भार्गव ने कहा कि वनाग्नि नियंत्रण में लगे समस्त फील्ड कार्मिकों की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कठिन एवं संवेदनशील क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों हेतु आवश्यक सुरक्षा उपकरण, संचार साधन एवं समुचित समन्वय व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, वनाग्नि नियंत्रण कार्यों में संलग्न फायर वॉचर्स एवं फील्ड स्टाफ के मनोबल एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की बात भी कही। बैठक में फायर सीजन के दौरान विभिन्न वन प्रभागों में वनाग्नि की स्थिति, विभागीय तैयारियों, उपलब्ध संसाधनों, नियंत्रण व्यवस्थाओं एवं फायर रिस्पॉन्स सिस्टम की प्रभावशीलता की समीक्षा की गई। बैठक में बद्रीनाथ वन प्रभाग, केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग एवं अलकनंदा भूमि संरक्षण वन प्रभाग में विगत वर्षों में घटित हुई वनाग्नि की घटनाओं की समीक्षा की गई। जिस पर बीते 3 वर्षों में हुई वनाग्नि घटनाओं का वर्षवार विवरण, फायर प्लान अंतर्गत प्रस्तावित एवं प्राप्त बजट की स्थिति, विगत 15 दिनों में प्राप्त वनाग्नि घटनाओं का विश्लेषण तथा विगत 05 वर्षों में 15 मई से 31 मई की अवधि के मध्य घटित वनाग्नि घटनाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

आईपीएल से पंजाब किंग्स के बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगी। श्रेष्ठा को उनके एक पुराने वीडियो के लिए ट्रोल किया जा रहा था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब श्रेष्ठा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स का मैच बारिश के कारण धुल जाने के बाद एक वीडियो बनाया था। उस वीडियो में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था, जा एक अंक दित्ता (चलिए आपको एक अंक दिया), क्योंकि बारिश के कारण मैच रद्द होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला था, और उस समय पंजाब किंग्स की स्थिति काफी मजबूत थी। पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर वन की पोजीशन हासिल की थी, लेकिन इसके बाद टीम लगातार छह मैच हार गई। इसके बाद से ही श्रेष्ठा निशाने पर आ गयीं।

सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज होगी एलिमिनेटर मुकाबले में टक्कर

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

मुल्लांपुर । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा , ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये है। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

इन बल्लेबाजों को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसें में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।

सनराइजर्स के आक्रामक रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि

आर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें। इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स के कमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे।

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सके। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। रुतुराज गायकवाड़- चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

आईपीए 2026 ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

मुम्बई । आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ स दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं, जो दिखाते हैं कि ऑरेंज कैप पर भारतीय खिलाड़ी का ही कब्जा होना तय है।

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में अंशुल कंबोज 21 विकेट लेकर चौथे स्थान पर थे, लेकिन उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बाहर होने के कारण वे अब आगे नहीं जा पाएंगे। गेंदबाजों की सूची में भुवनेश्वर कुमार 24 विकेटों के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उनके साथ ही कगिसो रबाडा भी 24 विकेट लेकर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जो यह दर्शाता है कि फाइनल मुकाबले तक यह दौड़ कितनी रोमांचक रहने वाली है। जोफ्रा आर्चर 21 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों के लिए खतरा बने हुए हैं। पांचवें स्थान पर राशिद खान हैं।, जिन्होंने 19 विकेट लिए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से कभी भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने बाद भी बाहर है पंजाब

एक दिन शीर्ष पर रही गुजरात खेल रही प्लेऑफ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में पंजाब किंग्स टीम बदकिस्मत रही और 22 दिनों तक शीर्ष पर रहने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं एक दिन ही नंबर एक पर रही गुजरात टाइटंस न केवल प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही बल्कि क्वालीफायर 1 में पहुंची। इससे अंदाज होता है कि खेल में कुछ भी तय नहीं होता आंकड़ों पर गौर करें तो, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया था, पहले 7 में से 6 मैच जीतकर उसने रिकार्ड बनाया था। तब ऐसा लग रहा था कि वे प्लेऑफ में सबसे पहले पहुंचे पर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अगले 6 मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह केवल 15 अंकों तक ही पहुंच पायी। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर 16 अंक हासिल कर लिए, जिससे पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं दूसरे ओर गुजरात टाइटन्स के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव बना रहा। वह केवल एक दिन के लिए ही अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंची। वहीं अन्य टीमों की बात करें तो, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसी) भी 18 दिनों तक लगाकार नंबर एक पर रही और वह सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंची। र एक पर रही और उन्होंने भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। अंतिम समय में प्लेऑफ में जगह बनाने वाली राजस्थान रॉयल्स कुल 13 दिन अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, 14 में से 9 मैच जीतने के बावजूद एलिमिनेटर में पहुंचने वाली सनराइजर्स हैदराबाद भी 4 दिन नंबर एक पर रही। प्लेऑ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने क्वालीफाई किया है।यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि आईपीएल की अंक तालिका कितनी अप्रत्याशित हो सकती है। यहां शुरुआती बढ़त या लंबे समय तक शीर्ष पर रहना भी सफलता की गारंटी नहीं होता।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई।

एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली। वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए कुशल मेंडिस को बनाया कप्तान

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय और टी20 टीम घोषित कर दी है। दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम की कप्तानी कुशल मेंडिस को दी गयी है। नये चयन पैनल ने कहा है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए ये बदलाव लाया गया है। मेंडिस ने पहले भी 17 एकदिवसीय मैचों में देश की कप्तानी की है पर अब उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय की भी कप्तानी दी गयी है। वहीं पहले चरित असलंका और दासुन शनाका कप्तान थे हालांकि टेस्ट टीम की कप्तानी धनंजय डिसिल्वा के पास ही रहेगी। जबकि बाएं हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज कमिंदु मेंडिस को तीनों ही प्रारुपों में उपकप्तान बनाया गया है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। इसमें बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंदरा और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इसिथा विजेसुंदरा को टेस्ट टीम में शामिल किय गया है। ये दोनो ही इस दौरे से डेब्यू करेंगे। सीमित ओवरों की टीम में बल्लेबाज लसिथ क्रूसपुले को भी शामिल किया गया है। है, लसिथ ने पिछले माह न्यूजीलैंड ए टीम के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। शनाका को इस बार केवल टी20 टीम में ही शामिल किया गया है। वहीं असलंका को केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज नुवान तुषारा की टी20 टीम में वापसी हुई है। श्रीलंकाई टीम मंगलवार 26 मई को वेस्टइंडीज के दौरे पर रवाना होगी, जहां उसे दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टीमें इस प्रकार हैं

टेस्ट टीम पथुम निसांका, लाहिरू उदारा, निशान मदुशंका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस (उपकप्तान), सोनल दिनुशा, कुसल मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा

(कप्तान), मिलन रथनायके, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, इसिथा विजेसुंदरा, कसुन राजिथा।

अनुभवी लेग-स्पिनर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास लिया

चेन्नई।

तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 35 वर्षीय अनुभवी क्रिकेटर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने छह टीमों की ओर से आईपीएल में भी खेला है। अब इस लेग स्पिनर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। मुरुगन ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा करते हुए अपनी क्रिकेट यात्रा, तमिलनाडु क्रिकेट में अपने उभार और आईपीएल में अपने अनुभवों के बारे में भी बताया है। अश्विन ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷जब से मैंने 6 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तभी से मुझे इस खेल से गहरा प्यार रहा है। इसने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे वह इंसान बनाया, जो मैं आज हूं। इसने मुझे मैदान पर अपने को पूरी तरह से व्यक्त करने का मौका दिया है। अब तक का यह सफर अविश्वसनीय रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैंने अपने घरेलू क्रिकेट करियर और आईपीएल में अपनी यात्रा को समाप्त करने का फैसला किया है। हालांकि, मैं नई चुनौतियों और अवसरों की तलाश करूंगा और इस खेल को हमेशा की तरह पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना जारी रखने के लिए उत्साहित हूं।÷ गौरतब है कि अपने आईपीएल करियर के दौरान मुरुगन ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स जैसी छह प्रमुख फ्रेंचाइजियों से खेला है। उन्होंने इस अवसर पर सभी टीमों को धन्यवाद देते हुए लिखा, ÷मैं उन सभी छह टीमों के प्रति अभारी हूं जिनका मैंने अपने आईपीएल करियर के दौरान प्रतिनिधित्व किया था।÷ अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दिग्गजों की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवी को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा, ÷आईपीएल में मेरे एक दशक लंबे अनुभव ने मुझे इस खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर दिया है। मैंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों की कप्तानी में खेला है। इन अनुभवों से मुझे एक एक बेहतर क्रिकेटर बनने में सहायता मिली।

आरसीबी को लेकर भावुक हुए यश दयाल , टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से पिछले सत्र में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल इस बार निजी कारणों से टीम में नहीं है। यश का कहना है कि वह अपनी टीम को टीवी पर ही खेलते देखे रहे हैं। उन्हें इस बार लीग में नहीं खेल पाने का दुख भी है। इस दौरान इस तेज गेंदबाज ने कई भावुक बातें कही हैं जिससे साफ पता चलता है कि वे टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे हैं। यश ने आरसीबी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आज भी टीम की कमी खलती है। उन्होंने बताया, जब आप बाहर बैठे हो और टीवी पर मैच देखते हो, तो कभी-कभी मैं बीच में ही खड़ा हो जाता हूं। ये याद करके कि अपनी टीम है।

त्रिशा जॉली पिता ने पहचानी प्रतिभा, बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

नई दिल्ली, ।

बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

त्रिशा का जन्म 27 मई, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं।

हालांकि, **केरल में बैडमिंटन** के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया। जूनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया।

हालांकि, त्रिशा को सबसे बड़ी कामयाबी साल 2022 में हाथ लगी। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में त्रिशा ने गायत्री गोपीचंद के साथ मिलकर महिला युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में त्रिशा के खेल ने उन्हें इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई। इसी साल ऑल इंग्लैंड ओपन में भी गायत्री संग मिलकर त्रिशा ने शानदार प्रदर्शन किया।

त्रिशा और गायत्री की जोड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इसके बाद साल 2024 में हुए एशिया टीम चैंपियनशिप में त्रिशा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं और उन्होंने यादगार प्रदर्शन किया। उन्होंने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का डबल्स खिताब अपने नाम किया।

यह उनका पहला सुपर सीरीज 300

खिताब भी रहा। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा महिला युगल में विश्व रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचीं। त्रिशा से आने वाले वर्षों में देश को और पदक की उम्मीद है। कॉमनवेल्थ गेम्स में वह एक बार फिर दमदार प्रदर्शन से छाप जरूर छोड़ना

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे।